



सरकार की नीतियों से कुछ खास पूंजीपति समूहों और खुद भारतीय जनता पार्टी को फायदा होता है: मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने शुक्रवार को नरेंद्र मोदी सरकार पर आरोप लगाया कि वह अलग-अलग आर्थिक क्षेत्रों में मोनोपॉली (एकाधिकार) और डुओपॉली (दो कंपनियों का दबदबा) को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार की नीतियों से कुछ खास पूंजीपति समूहों और खुद भारतीय जनता पार्टी को फायदा होता है। पर एक पोस्ट में खड़गे ने कहा कि मोदी जी की आर्थिक नीति का मकसद अर्थव्यवस्था का कंट्रोल अपने पसंदीदा पूंजीपति वेलों को सौंपना है, ताकि बदले में BJP को मुनाफे में अपना हिस्सा मिलता रहे। कॉम्पिटिशन खत्म करके और मोनोपॉली व डुओपॉली थोपकर, उन्होंने सिर्फ BJP को तिजोरी भरने का काम किया है और आर्थिक उदारीकरण की नांव को बर्बाद कर दिया है।

उन्होंने टेलीकॉम सेक्टर का उदाहरण देते हुए कहा कि 2014 से पहले इसमें 13 कंपनियाँ थीं, जबकि आज सिर्फ तीन बड़ी प्राइवेट कंपनियाँ बची हैं। खड़गे ने फोर्ब्स एंक्वायर्नर सेक्टर का भी जिक्र किया और कहा कि 2014 से पहले इसमें सात बड़ी कंपनियाँ थीं, जो अब घटकर सिर्फ दो रह गई हैं। खड़गे ने आगे कहा कि चाहे डिजिटल पेमेंट हो, सीमेंट हो या फूड डिलीवरी ऐप्स, हर जगह सरकार की प्राथमिकता कॉम्पिटिशन को खत्म करना रही है।



आतंकवाद फैलाने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि बीजेपी की नीतियों ने माइक्रो, स्मॉल और मीडियम एंटरप्राइजेज (MSMEs) और दूसरे छोटे-मझोले उद्योगों को नुकसान पहुँचाया है, साथ ही देश के युवाओं में भारी बेरोजगारी बढ़ाई है। खड़गे ने कहा कि बीजेपी सिर्फ अपने फायदे के लिए आर्थिक आतंकवाद को बढ़ावा देती है, जिसके कारण MSMEs और दूसरे छोटे-मझोले उद्योग पूरी तरह से बंद हो गए हैं और हमारे युवा भारी बेरोजगारी का दंश झेल रहे हैं।

लेबर सर्टिफिकेशन प्रोग्राम' को सस्पेंड करने और इसका बड़ी भारतीय IT कंपनियों पर पड़ने वाला असर, भारत के नीतिगत फैसलों पर अमेरिकी प्रभाव को दिखाता है। उन्होंने इस मुद्दे को यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस पेमेंट चार्ज में बदलाव और कुछ सेक्टर को दी गई छूट से जोड़ा। उन्होंने कहा कि यह वही स्थिति है जब अमेरिका ने हमारे व्हक पेमेंट सिस्टम को प्रभावित करने की कोशिश की थी, क्योंकि पेमेंट के क्षेत्र में दुनिया की दिग्गज कंपनियाँ - चाहे मास्टरकार्ड हो या वीजा - अमेरिका की ही थीं।

लेकिन जब भारत में UPI और RuPay मजबूत हो रहे थे, तो राष्ट्रपति ट्रंप ने अपनी शर्तें थोपनी शुरू कर दीं और कहा कि इस पर चार्ज नहीं लगाना चाहिए।

नंदीग्राम में बीजेपी की ऐतिहासिक जीत, हसीन रानी रथ ने कांग्रेस के मिलन प्रधान को हराया

कोलकाता, 09 अक्टूबर। भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने शुक्रवार को नंदीग्राम सीट पर बड़ी जीत हासिल की, जहाँ इस हफ्ते की शुरुआत में उपचुनाव हुआ था। BJP की हसीन रानी रथ - जो मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के पूर्व सहयोगी चंद्रनाथ रथ की माँ हैं - ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी और कांग्रेस नेता मिलन प्रधान को 1,22,753 वोटों (यानी कुल वोटों का 75%) के अंतर से हराया। भारत निर्वाचन आयोग (ECI) के आंकड़ों के अनुसार, रथ को 1,64,427 वोट मिले, जबकि प्रधान को 41,674 वोट मिले। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (CPI) के नेता शान्ति गोपाल गिरी को 5,779 वोट और आल इंडिया सेक्युलर फ्रंट (AISF) के नेता अली मोहम्मद सबसे मिराज खान को 1,607 वोट मिले। वहीं, रिताब्रता बनर्जी के नेतृत्व वाली



डेमोक्रेटिक तृणमूल कांग्रेस (DTMC) के उम्मीदवार एहतेशामुल हक को 853 वोट मिले। नंदीग्राम, जो पूर्वी मेदिनीपुर ज़िले में आता है और तामलुक लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है, अधिकारी का गढ़ रहा है। उन्होंने यहाँ से तीन बार जीत हासिल की है: 2016, 2021 और 2026 में। हालाँकि, उन्होंने यह सीट छोड़ दी और भवानीपुर सीट अपने पास रखी, जहाँ उन्होंने 2026 के पश्चिम बंगाल चुनावों में पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को हराया था। नंदीग्राम उपचुनाव मुख्य रूप से बीजेपी और INDIA गठबंधन के बीच मुकाबला था। बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने कांग्रेस उम्मीदवार मिलन प्रधान का समर्थन किया, क्योंकि उनकी अपनी उम्मीदवार सचिता प्रधान डे ने अधिकारी के साथ बैठक के बाद अपना नाम वापस ले लिया था। हालाँकि, 2007 के नंदीग्राम जमीन अधिग्रहण विरोधी आंदोलन के सिलसिले में प्रधान की गिरफ्तारी के बाद भी नंदीग्राम में झुमा जारी रहा।

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को केन्द्र और दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया कि वे शनिवार को दिल्ली में प्रस्तावित विरोध-प्रदर्शनों से पहले मेट्रो और रेलवे सेवाओं पर लगी पूरी तरह से रोक को हटा लें। कोर्ट ने साफ किया कि सुरक्षा उपायों के नाम पर सार्वजनिक परिवहन पर पूरी तरह रोक नहीं लगाई जा सकती और इससे लाखों आम नागरिकों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी मोहना की बेंच ने कहा कि अधिकारी गैर-कानूनी भीड़ को रोकने के लिए ट्रेनों की आवाजाही को रेगुलेट कर सकते हैं, लेकिन पूरे सिस्टम को रोक नहीं सकते। बेंच ने



इस बात पर जोर दिया कि दिल्ली के निवासियों के सार्वजनिक सुविधाओं का इस्तेमाल करने और आजादी से आने-जाने के अधिकार की भी सुरक्षा जरूरी है। बेंच ने कहा कि किसी चीज को रोकना और उसे रेगुलेट करना दो अलग-अलग बातें हैं। रेगुलेट तो किया जा सकता है, लेकिन सब कुछ रोक देना बिल्कुल अलग बात है... आप सब कुछ नहीं

यह है कि क्या मेट्रो और ट्रेनों को पूरी तरह से रोकने के फैसले पर फिर से विचार करने की जरूरत है। हमारे इस सुझाव पर कि मेट्रो और ट्रेनों पर पूरी तरह रोक लगाने और उन्हें रेगुलेट करने के बीच अंतर है, सॉलिसिटर जनरल ने उचित रूप से सहमत जताई है कि वे रोक पर फिर से विचार करेंगे और मेट्रो ट्रेनों व अन्य ट्रेनों के संचालन की ऐसी रेगुलेटेड व्यवस्था करेंगे जिससे दिल्ली के नागरिकों को कोई असुविधा न हो, साथ ही आनुपातिकता के सिद्धांत का भी ध्यान रखा जाएगा। आदेश में यह भी कहा गया भरोसे के आधार पर, हम निर्देश देते हैं कि मेट्रो और दूसरी ट्रेनों के चलने के बारे में सोच-समझकर फैसला लिया जाए, ताकि लोगों को

कोई परेशानी न हो और इसकी व्यापक जानकारी भी दी जाए। इसी तरह, नई एडवाइजरी जारी की जाए ताकि शहर में आने-जाने के दौरान जनता को कोई तकलीफ न हो। कोर्ट ने यह आदेश तब दिया जब केन्द्र और दिल्ली पुलिस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता बेंच की चिंताओं (कि क्या पाबंदियाँ जरूरत के हिसाब से हैं) के जवाब में पाबंदियों पर फिर से विचार करने को तैयार हो गए। कोर्ट ने निर्देश दिया कि मेट्रो और दूसरी ट्रेनों को रेगुलेटेड तरीके से चलाने की इजाजत देने के बारे में सोच-समझकर फैसला लिया जाए, ताकि यात्रियों को कोई परेशानी न हो। बवली हुई एडवाइजरी का भी बड़े पैमाने पर प्रचार किया जाना चाहिए।

'लोकतंत्र से खिलवाड़ बंद हो': अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने भारतीय जनता पार्टी और ज्ञानेश कुमार पर बड़े पैमाने पर वोट हटाने का आरोप लगाया है और नागरिकों से 10 अक्टूबर को नई दिल्ली के जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शन में शामिल होने की अपील की है। राजधानी में सुरक्षा के कड़े इंतजामों के बीच केजरीवाल ने कहा कि केन्द्र सरकार लोकतंत्र के साथ खिलवाड़ कर रही है। जो लोग BJP को वोट नहीं देते, उनके वोट हटा दिए जाते हैं, जबकि फजी वोट जोड़ दिए जाते हैं। ज्ञानेश कुमार के कार्यक्रमों में यह सब खुलेआम हो रहा था।



यह विरोध प्रदर्शन का आह्वान दिल्ली पुलिस द्वारा कार्यक्रम की अनुमति देने से इनकार करने के बाद किया गया है। पुलिस ने इसके लिए कम समय की सूचना, प्रदर्शनकारियों द्वारा पहले नियमों का पालन न करने और कानून-व्यवस्था संबंधी चिंताओं का हवाला दिया है।

'देश में आपातकाल जैसे हालात': सौरव दास बोले- दिल्ली किले में तब्दील; प्रदर्शन से पहले दीपके भी सरकार पर हमलावर

नई दिल्ली, 09 अक्टूबर। जंतर-मंतर पर प्रदर्शन से पहले काँकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के नेताओं ने दिल्ली में सुरक्षा व्यवस्था और प्रशासन की कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं। सीजेपी नेता सौरव दास ने आरोप लगाया कि देश में आपातकाल जैसे हालात बना दिए गए हैं और दिल्ली को किले में बदल दिया गया है। पार्टी के नेताओं ने मेट्रो

सेवाएं बंद करने, रेल सेवाएं रोकने और सड़कों पर पाबंदियाँ लगाने को लेकर भी सवाल उठाए। उनका कहना है कि छात्र और युवा शांतिपूर्ण प्रदर्शनों के जरिए अपनी बात रखना चाहते हैं, लेकिन उन्हें रोकने के लिए सख्त कदम उठाए जा रहे हैं।

सौरव दास ने जंतर-मंतर पर होने वाले प्रदर्शन से पहले कहा कि देश में आपातकाल जैसे हालात हैं और दिल्ली को किले में बदल दिया गया है। उनके बयान का केन्द्र प्रदर्शन से पहले की गई सुरक्षा व्यवस्था है। हालाँकि, उपलब्ध जानकारी में उन्होंने दिल्ली में किन खानस जगहों पर क्या पाबंदियाँ लगाई गई हैं, इसका विस्तृत ब्योरा नहीं दिया। पार्टी के दूसरे नेताओं ने भी प्रशासन की तैयारियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि शांतिपूर्ण प्रदर्शन

करने वाले युवाओं के साथ इस तरह का व्यवहार नहीं होना चाहिए। काँकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने कहा कि अधिकारियों को खुद से पूछना चाहिए कि मेट्रो सेवाएं क्यों बंद की जा रही हैं, रेल सेवाएं क्यों रोक दी जा रही हैं और सड़कें क्यों बंद की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि प्रदर्शन में शामिल होने वाले छात्र और युवा अपने मौलिक अधिकारों का इस्तेमाल करना चाहते हैं। वे शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराना चाहते हैं। दीपके ने सवाल उठाया कि इन युवाओं के साथ ऐसा व्यवहार क्यों किया जा रहा है, जैसे वे पाकिस्तान से आए हों या देश के दुश्मन हों। उन्होंने प्रशासन की सख्ती पर आपत्ति जताई।

दीपके ने दावा किया कि सुरक्षा बलों को कश्मीर और नक्सल प्रभावित इलाकों से हटाकर दिल्ली लाया जा रहा है। उन्होंने सवाल उठाया कि युवाओं के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के लिए इतनी बड़ी सुरक्षा व्यवस्था क्यों की जा रही है। उनके मुताबिक, सरकार देश के युवाओं, खासकर जेन जी से डर रही है। हालाँकि, उपलब्ध बयान में सुरक्षा बलों की संख्या, उन्हें कहाँ से दिल्ली लाया गया और इस संबंध में प्रशासन की ओर से क्या आदेश दिए गए, इसकी जानकारी नहीं है। इसलिए इस दावे को दीपके के आरोप के तौर पर ही देखा जाना चाहिए। दीपके ने सरकार पर युवाओं से डरने का आरोप लगाते हुए उसे कायर बताया। उन्होंने कहा कि अगर उनकी गिरफ्तारी से देश की सभी समस्याएँ हल हो सकती हैं, तो सरकार उन्हें गिरफ्तार कर ले। उनके इस बयान में सरकार को सीधी चुनौती दी गई। दीपके ने अपने बयान में यह भी कहा कि छात्र और युवा अपने मौलिक अधिकारों के तहत शांतिपूर्ण प्रदर्शन करना चाहते हैं। उनके मुताबिक, ऐसे प्रदर्शनकारियों को देश का दुश्मन मानकर कार्रवाई करना उचित नहीं है। यह सरकार और प्रशासन की कार्रवाई पर उनका राजनीतिक आरोप है। सीजेपी के प्रवक्ता आशुतोष रांका ने कहा कि पार्टी के कार्यकर्ता किसी बात से डरने वाले नहीं हैं और आखिर में डर दूसरी तरफ के लोगों को लगेगा।

DAKS REHAB CENTRE

(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)

Contact us: 9820519851

विल्डिंग नंबर 3, फ्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीवी नगर मुंबई-37

- * Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
- * बाहर से आये रोगी और उनके परिजनों के ठहरने कि व्यवस्था
- * वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
- * DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
- * NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
- * चिकिस्ता उपकरणों को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
- * एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
- * पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
- * मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
- * विशेषज्ञ डॉक्टरों से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
- * मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तियों, परिवारों और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकिस्ता सुविधा उपलब्ध

Multi Solutions

WHAT WE DO ?

COMPUTER & CCTV

- Laptop, Desktop, CCTV, Sales Service & Rental
- Networking
- Software Installation
- Data Recovery
- Antivirus

SMART AUTOMATION

- Automation
- Biometric
- Smart Home App Control
- All Type of Electric Work

Shop No13, First Floor, Zahoor Nagar, Mustafa Market, Near Behmani Hotel, Kherani Road, Sakinaka, Andheri (E), Mumbai - 400072.

Mithun Prajapati
+91 9220 555 717

TIWARI'S SARASWATI CLASSES

Since 1992 - Parents' First Choice for 34+ Years

Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director

ADMISSIONS OPEN

9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE

NEET | JEE | MHT-CET

10 DAYS FREE DEMO

Attend Classes • Experience Our Teaching

Take Admission After Satisfaction

(No Hidden Conditions)

- ✓ 34+ Years of Academic Excellence
- ✓ Experienced & Dedicated Faculty
- ✓ Personal Attention
- ✓ Printed Notes & Regular Tests
- ✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams

Santacruz Branch

101 Sai Chambers,
Opp. Santacruz Railway Station (East),
Near Depot, Santacruz (E), Mumbai - 400055

Sion Branch

Opp. SIES College (Old),
Near Gुरुकुल Hotel,
Sion (West), Mumbai

Limited Seats / Small Batch Size

CALL NOW:

7738007373

हिमालय की प्रदूषण-मुक्ति भी हो पहाड़ी तीर्थयात्रा का उद्देश्य



-ललित गर्ग

हिमालय केवल पर्वतों की एक शृंखला नहीं है, वह भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक आस्था और प्राकृतिक जीवन का आधार है। उसकी चोटियों में तप की स्मृतियां हैं, उसकी नदियों में करोड़ों लोगों की जीवनधारा बहती है और उसकी घाटियों में असंख्य धार्मिक स्थल सदियों से श्रद्धालुओं को आकर्षित करते रहे हैं। हिमाचल प्रदेश सहित पूरे हिमालयी क्षेत्र में हिंदू धर्म के अनेक प्रमुख तीर्थस्थल हैं। इन स्थानों पर पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए आस्था का विषय है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि पिछले कुछ वर्षों में तीर्थयात्रा और पर्यटन के बीच की सीमा धुंधली होती जा रही है। दर्शन और आध्यात्मिक अनुभूति के साथ मनोरंजन, मौज-मस्ती और उपभोक्तावादी जीवनशैली का प्रवेश पहाड़ों की संवेदनशीलता पर भारी पड़ रहा है। हिमालय की सबसे बड़ी विशेषता ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है। यहां का पर्यावरण अत्यंत नाजुक है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मिट्टी की परत पतली है, वनस्पतियों की पुनरुत्थान क्षमता सीमित है और कचरे के प्राकृतिक रूप से नष्ट होने की प्रक्रिया मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत धीमी है। इसके बावजूद हम हजारों-लाखों लोगों को एक साथ इन क्षेत्रों में पहुंचा रहे हैं। वाहनों की लंबी कतारें, पार्किंग का दबाव, होटल और ढाबों का अनियोजित विस्तार, प्लास्टिक की बोतलें, खाद्य पदार्थों के रेपर, पॉलीथिन और डिस्पोजिबल सामग्री पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरण को लगातार चोट पहुंचा रहे हैं।

चारधाम यात्रा के दौरान इस वर्ष सितंबर के मध्य तक 800 टन से अधिक कचरा एकत्र होने की सूचना इस संकट की गंभीरता को सामने रखती है। केदारनाथ जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में अप्रैल से अगस्त के बीच 50.30 टन कचरा जमा होना विशेष चिंता का विषय है। यह तथ्य



इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फेंकी गई एक प्लास्टिक बोतल केवल एक बोतल नहीं रहती, वह लंबे समय तक पर्यावरण में मौजूद रहकर मिट्टी, जलश्रोतों और वन्यजीवन के लिए खतरा बन सकती है। विडंबना देखिए-जिस स्थान पर मनुष्य

आत्मशुद्धि, संयम और त्याग की भावना लेकर जाता है, वहीं वह अपने पीछे कचरे का निशान छोड़ आता है। क्या ऐसी यात्रा को वास्तव में तीर्थयात्रा कहा जा सकता है? तीर्थ का अर्थ केवल किसी मंदिर तक पहुंच जाना नहीं है। तीर्थ मनुष्य के भीतर परिवर्तन की यात्रा है। यदि मंदिर में भाषा टेकने के बाद हम उसी पर्वत की गोद में प्लास्टिक फेंक दें, जिसकी पवित्रता के नाम पर वहां पहुंचे हैं, तो हमारी आस्था अधूरी रह जाती है।

इस संदर्भ में ढाकैरी भी बैकहूड अभियान उम्मीद की एक महत्वपूर्ण किरण है। लगभग पांच हजार तीर्थयात्रियों द्वारा करीब 18 किलोमीटर के रास्ते से 12 टन से अधिक कंप्रेस्ड प्लास्टिक वापस नीचे लाना बताया है कि श्रद्धालुओं को सहभागी बनाया जाए तो वे पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह केवल कचरा उठाने का अभियान नहीं, बल्कि तीर्थयात्रा की मानसिकता बदलने का प्रयास है। ऐसे अभियानों को व्यापक स्वरूप देकर हिमाचल, उत्तराखंड और अन्य हिमालयी तीर्थ क्षेत्रों में लागू किया जाना चाहिए। अमरनाथ यात्रा से मिला अनुभव भी संकारात्मक दिशा दिखाता है। पुनः उपभोग किए जाने वाले बर्तनों और पानी भरने की सुविधाओं के विस्तार के कारण यात्रियों की संख्या में 17 प्रतिशत वृद्धि के बावजूद प्रति यात्री कचरे में 15 प्रतिशत कमी आना इस बात का प्रमाण है कि सुविधाजनक और वैज्ञानिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए तो पर्यावरणीय दबाव कम किया जा सकता है। इसलिए कचरा उठाने से अपील करना पर्याप्त नहीं है, प्रशासन को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार सबसे सहज विकल्प बने।

हिमाचल प्रदेश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर भीड़ का अनियंत्रित बढ़ना इसी व्यापक संकट का हिस्सा है। शिमला, मानीम, धर्मशाला, चामुंडा, ज्वालाजी, चिंतपूर्णी, नैना देवी और अन्य धार्मिक-पर्यटन स्थलों पर मौसम विशेष में बढ़ने वाला दबाव यातायात, जलपूर्ति, सीजन, ठोस कचरा और स्थानीय संसाधनों पर असर डालता है। पहाड़ों की वहन क्षमता मैदानी शहरों की नहीं है। इसलिए किसी भी तीर्थ या पर्यटन स्थल की लोकप्रियता को केवल अधिकाधिक लोगों को वहां पहुंचाने की सफलता के रूप में नहीं देखा जा सकता। अब समय आ गया है कि ह्यजितने अधिक पर्यटक, उतना अधिक विकासहू की सोच को ह्यजितना संवेदनशील पर्यावरण, उतना जिम्मेदार पर्यटनहू में बदला जाए। तीर्थस्थलों की वहन क्षमता का वैज्ञानिक अध्ययन करें और उसके आधार पर प्रतिदिन या मौसम के अनुसार आगंतुकों की संख्या निर्धारित की जाए। सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रभावी नियंत्रण हो, पानी के रिफिल स्टेशन बढ़ाए जाएं, बोतलों और पैकेजिंग के लिए डिपॉजिट-रिटर्न व्यवस्था लागू की जाए तथा कचरे को स्रोत पर ही अलग करने की व्यवस्था हो। दुकानदारों, होटल संचालकों और वेंडरों को उनके द्वारा उत्पन्न कचरे के प्रति जवाबदेह बनाया जाना चाहिए।

सबसे महत्वपूर्ण है तीर्थयात्री की मानसिकता में परिवर्तन। पहाड़ हमारे मनोरंजन के मैदान नहीं हैं। वे हमारी आने वाली पीढ़ियों की प्राकृतिक विरासत हैं। जिस नदी के किनारे हम पूजा करते हैं, वही नदी नीचे बसे करोड़ों लोगों का जीवन है। जिस जंगल को हम कैमरे में कैद करते हैं, वही जंगल पहाड़ी पारिस्थितिकी को संतुलित करता है। जिस पर्वत को हम देवभूमि कहकर नमन करते हैं, उसकी ढलानों पर प्लास्टिक फेंकना हमारी अपनी श्रद्धा का अपमान है। नेपाल और हिमालयी क्षेत्र में समय-समय पर अत्यधिक वर्षा, बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने यह चेतावनी दी है कि पर्वतीय पारिस्थितिकी के साथ छेड़छाड़ के परिणाम गंभीर हो सकते हैं। हर आपदा के पीछे पर्यटन या प्रदूषण का परिणाम मानना वैज्ञानिक रूप से उचित नहीं होगा, लेकिन इतना निश्चित है कि अनियोजित निर्माण, अत्यधिक मानवीय दबाव, वन क्षण और कचरा प्रबंधन की कमजोरी पर्वतीय क्षेत्रों की संवेदनशीलता को बड़ा सकती है।

हिमालय आज चिन्ताओं का हिमालय बन गया है। कुछ दशकों में खासकर हिमालयी क्षेत्र के राज्यों में विकास के नाम पर जहां प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हुआ है, वहीं धार्मिक पर्यटन के नाम पर व्यापक स्तर पर प्रदूषण फैला है। इतना ही नहीं, प्रकृति से खिलवाड़ कर नियमों के खिलाफ ऐसा निर्माण खड़ा किया जा रहा है, जो बाढ़ और भूस्खलन के साथ बढाई लेकर आता रहा है। सवाल यह भी है कि पहाड़ी राज्यों में विकास का क्या पैमाना होना चाहिए? अगर विकास के नाम पर कहीं निर्माण गतिविधियां आवश्यक हों तो वह नियोजन के साथ ही आपदाओं को झेलने में सक्षम होनी चाहिए। आम तौर पर देखा गया है कि इन राज्यों में पर्यटन एवं धार्मिक यात्राओं को बढ़ावा देने के नाम पर ऐसी बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी हो गई जो न सिर्फ बाढ़ और भूस्खलन झेलने में अक्षम साबित हुईं, बल्कि पर्यावरण के हिसाब से भी नुकसानदेह रही हैं। ऐसे निर्माण में सरकारी स्तर पर सतर्कता की जो उम्मीद की जाती है, उसे नजरअंदाज किया गया।

हिमालय हमें बहुत कुछ देता है-जल, वन, जैव विविधता, जलवायु संतुलन, संस्कृति और आध्यात्मिक ऊर्जा। बसले में हमारी जिम्मेदारी केवल वहां जाकर पूजा करना नहीं, बल्कि उस प्रकृति की रक्षा करना भी है। तीर्थयात्री यदि एक बोतल पानी लेकर पहाड़ पर जा सकता है तो खाली बोतल वापस भी ला सकता है। यह छोटा-सा संकल्प बड़े परिवर्तन का आधार बन सकता है। आस्था और पर्यावरण एक-दूसरे के विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक हैं। धार्मिक यात्रा का वास्तविक संस्कार तभी पूर्ण होगा जब तीर्थयात्री मंदिर से लौटते समय अपने साथ प्रसाद भी नहीं, प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी भी लेकर लौटे। सरकारें व्यवस्था करें, स्थानीय समुदाय भागीदारी निभाएं और श्रद्धालु अपना कचरा वापस लाने का संकल्प लें-तभी हिमालय की पवित्रता सुरक्षित रह सकेगी। हिमालय को केवल देवभूमि कहने से उसकी रक्षा नहीं होगी, उसे देवभूमि की तरह व्यवहार देकर ही उसकी पवित्रता बचाई जा सकती है। यही सच्ची तीर्थयात्रा है, यही प्रकृति के प्रति कृतज्ञता और यही आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारा नैतिक दायित्व है।

जनादेश का मान या सड़कों पर संग्राम: क्या चुनावी बहुमत को झुकाना चाहते हैं आंदोलन?



अशोक भाटिया

लोकतंत्र की आत्मा कहाँ बसती है? पाँच साल में एक बार इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का बटन दबाने वाली उँगलियों में, या सड़कों पर नारे लगाती भीड़ में? यह सवाल आज भारत के राजनीतिक विमर्श के केंद्र में है। हाल ही में राजधानी दिल्ली में जंतर-मंतर, संसद मार्ग और विशेष रूप से आकाशवाणी भवन के भीतर बने गहरे जो हड़य दिखाई दिए हैं, वे इसी बुनियादी द्वंद को रेखांकित करते हैं। एक तरफ विपक्षी दलों और युवा आंदोलनों का सड़कों पर उतरना है, तो दूसरी तरफ निर्वाचित सरकार का यह हढ़ विश्वास है कि देश की नीतियों और संवैधानिक संस्थाओं का संचालन सड़क के दबाव से नहीं, बल्कि संसद की संप्रभुता से होना चाहिए। हालिया दिनों में चुनाव आयोग के विशेष गहन पुनरीक्षण और मतदाता सूचियों में बदलावों को लेकर जो विवाद खड़ा हुआ है, उसने इस बहस को एक नया मोड़ दे दिया है। मुख्य चुनाव आयुक्त के इसीफे की मांग को लेकर विपक्षी संसदों का मार्च और आकाशवाणी भवन के परिसर में जबरन घुसकर किया गया 8 घंटे से अधिक लंबा धरना इस बात का जीवंत उदाहरण है

कि कैसे राजनीतिक असंतोष अब प्रशासनिक सीमाओं को लांघ रहा है। लेकिन यहाँ विचारणीय प्रश्न यह है: क्या करोड़ों नागरिकों द्वारा दिए गए स्पष्ट चुनावी बहुमत और संवैधानिक प्रक्रिया को कुछ नेताओं के इस तरह के अवांछित सड़क प्रदर्शनों के आगे झुकाया जा सकता है? सरकार और संवैधानिक व्यवस्था के नज़रिए से देखें तो इसका उत्तर पूरी तरह से 'ना' में होना चाहिए, क्योंकि यदि सड़क या किसी सरकारी कार्यालय के भीतर का फैसला ही अंतिम होने लगा, तो फिर मतपेटियों और लोकतांत्रिक जनादेश का कोई अर्थ नहीं रह जाएगा। किसी भी परिपक्व लोकतंत्र की स्थिरता उसकी संस्थाओं की स्वतंत्रता और निष्पक्षता पर निर्भर करती है। भारत निर्वाचन आयोग एक ऐसी ही संवैधानिक संस्था है, जिसकी साख पर वैश्विक स्तर पर भरोसा किया जाता है। वर्तमान में मतदाता सूचियों के पुनरीक्षण (रस्क) को लेकर जो विरोध हो रहा है, उसे सरकार और कानूनवैदों का एक बड़ा वर्ग संस्थाओं को कमजोर करने के सोचे-समझे प्रयास के रूप में देखता है। हाल ही में देश के 42 पूर्व न्यायाधीशों ने एक संयुक्त बयान है कि संवैधानिक संस्थाओं पर बिना किसी पुख्ता सबूत के 'घोटों की चोरी' जैसे गंभीर आरोप लगाए जा रहे हैं। इन पूर्व न्यायाधीशों का स्पष्ट रूप से मानना ​​है कि आलोचना करना लोकतांत्रिक अधिकार हो सकता है, लेकिन किसी संस्था की साख को पूरी तरह से धूमिल करना लोकतंत्र के हित में नहीं है।

लोकतंत्र में आंदोलन और विरोध प्रदर्शन का अधिकार मौलिक है, और भारत का संविधान अपने

नागरिकों को शांतिपूर्ण असंतोष व्यक्त करने की पूरी आजादी देता है। लेकिन जब यह असंतोष एक निर्वाचित सरकार के नीतिगत फैसलों और विधायी बहुमत को जबरन पलटने का माध्यम बनने की कोशिश करता है, तो यह 'भीड़तंत्र' का रूप ले लेता है। चुनावी बहुमत का मतलब केवल संख्या बल नहीं होता; यह देश की करोड़ों की आबादी के उस सामूहिक विश्वास का प्रतिनिधित्व करता है, जो उन्होंने एक निश्चित नीति, विचारधारा और नेतृत्व में व्यक्त किया है।

जब कुछ प्रदर्शनकारी किसी राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम करते हैं, या राजधानी की कानून-व्यवस्था को



संकट में डालते हैं, तो वे उस मूक बहुमत के अधिकारों का हनन कर रहे होते हैं, जिसने शांतिपूर्वक अपने लोकतांत्रिक अधिकार का उपयोग करके एक सरकार चुनी है। किसी भी चुनी हुई सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी देश में कानून का शासन बनाए रखना और देश की आर्थिक व सामाजिक प्रगति सुनिश्चित करना है। यदि सरकार हर छोटे-बड़े आंदोलन या प्रतीकात्मक घेराव के दबाव में अपने निर्णयों को वापस लेने लगे, तो यह उस जनादेश के साथ विश्वासघात होगा जो उसे पूरे देश से मिला है। सड़कों का दबाव अक्सर प्रेरित होता है, जबकि चुनावी बहुमत पूरे राष्ट्र की व्यापक आकांक्षाओं का प्रतीक होता है। इसलिए, जनादेश का मान सर्वोपरि होना ही चाहिए।

सर्बिया से नेपाल: एक जैसी पटकथा के बाद अब निशाने पर भारत

भारत में आज जिस तरह से कोंकण जनता पार्टी, वामपंथी और इंडी गठबंधन कथित रूप से चुनाव में धांधली को लेकर मोदी सरकार के खिलाफ लामबंद हैं, ऐसा कई देशों में पहले भी हो चुका है। दरअसल, यह सब सुनियोजित होता है, जिसके पीछे अक्सर कई बड़े देशों की सरकारों से लेकर अपने हित साधने में लगे विदेशी उद्योगपति तक शामिल होते हैं। अपनी कोशिशों को अंजाम देने के लिए ये ताकतें हर देश में हालात ऐसे बना देती हैं कि लोकतांत्रिक तरीके से चुनी हुई सरकारों को इस्तीफा देना या सत्ता छोड़कर भागना तक पड़ जाता है। वर्तमान वैश्विक भू-राजनीति में किसी भी देश को अस्थिर करने या वहाँ अपनी पसंद की सरकार स्थापित करने के लिए सीधे सैन्य आक्रमण के बजाय एक नया और बेहद खतरनाक हथियार अपनाया जा रहा है, जिसे राजनीतिक विश्लेषक हाइड्रिड वॉरफेयर या कलर रेवोल्यूशन (रंगीन क्रांतियाँ) कहते हैं। इस रणनीति को सबसे पहला और बुनियादी कदम होता है, लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकार की वैधता को समाप्त करने के लिए एक विश्व की शक्ति को खामूद बनाकर तो कभी चुनावी धांधली का एक सुनियोजित नैरिटिव गढ़ा जाता है। भारत जैसे परिपक्व लोकतंत्र में भी इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और चुनावी प्रक्रिया पर समय-समय पर उठाए जाने वाले सवाल इसी वैश्विक टूलकिट का हिस्सा माने जाते हैं। लेकिन भारत से

पहले, यह खल दुनिया के कई देशों में सफलतापूर्वक खेला जा चुका है, जहाँ इसके चलते बड़े पैमाने पर अराजकता फैली और चुनी हुई सरकारें उखाड़ फेंकी गईं।

इस पूरी प्रक्रिया, इसके पीछे काम करने वाली ताकतों, फंडिंग के स्रोतों और प्रभावित देशों का एक विस्तृत व गहन विश्लेषण किया जाए, तो पता चलता है कि भारत से पहले भी कई देशों में ऐसा नैरिटिव गढ़ा जा चुका है। इतिहास गवाह है कि सोवियत संघ के विघटन के बाद, विशेष रूप से पूर्वी यूरोप और मध्य एशिया में, इस फॉर्मूलें का बार-बार इस्तेमाल किया गया। वर्ष 2000 में सर्बिया में बुलडोजर रेवोल्यूशन में राष्ट्रपति स्लोबोदान मिलोसेविच के खिलाफ विश्व ने चुनौती में धांधली का आरोप लगाया। बड़े पैमाने पर जनअहिंसक खड़ा किया गया और मिलोसेविच को सत्ता छोड़नी पड़ी। 2003 में जॉर्जिया में रोर रेवोल्यूशन (गुलाबी क्रांति) के द्वारा संसदीय चुनावों में धांधली के आरोपों को हवा दी गई। जनता को सड़कों पर उतारा गया और राष्ट्रपति एडुआर्ड शेवार्दनादज़े को इस्तीफा देने पर मजबूर किया गया। 2004 में यूक्रेन में ऑरेंज रेवोल्यूशन (नारंगी क्रांति) के द्वारा राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों को धांधली बताकर खारिज कर दिया गया। भारी विरोध प्रदर्शनों के बाद सुप्रीम कोर्ट से चुनाव रद्द कराया गया और पश्चिम-समर्थक विक्टर युकेंचेंको सत्ता में आए। 2005 में



-संजय सक्सेना

किर्गिस्तान में ट्युलिप रेवोल्यूशन हुआ, जिसमें यहाँ भी संसदीय चुनावों में धांधली का नैरिटिव तैयार कर राष्ट्रपति असकर अकायेव की सत्ता का तख्तापलट कर दिया गया। इसी तरह से 2024 में बांग्लादेश में भी चुनाव के बहिष्कार और धांधली के वैश्विक नैरिटिव को इस कदर हवा दी गई कि अंततः तो खासपलट जैसी अराजक स्थितियाँ उत्पन्न हुईं। नेपाल में सितंबर 2025 में हुआ जेन-जी आंदोलन भी ऐसी ही घटना थी, जिसने दशकों पुरानी राजनीतिक व्यवस्था और पारंपरिक नेताओं को हिलाकर रख दिया। आंदोलन का मुख्य तात्कालिक कारण 4 सितंबर 2025 को तत्कालीन सरकार द्वारा फेसबुक, इंस्टाग्राम, व्हाट्सएप, यूट्यूब और एक्स समेत 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर लगाया गया प्रतिबंध था। युवाओं ने इसे अपनी डिजिटल स्वतंत्रता पर सीधा हमला माना। युवाओं के इस प्रचंड आक्रोश के आगे झुकते हुए तत्कालीन

प्रधानमंत्री के. पी. शर्मा ओली और गृह मंत्री रमेश श्रेष्ठ सहित कई कैबिनेट मंत्रियों को 9 सितंबर 2025 को अपने पदों से इस्तीफा देना पड़ा। इस प्रकार के नैरिटिव और अराजकता के पीछे कोई एक व्यक्ति नहीं, बल्कि एक पूरा ग्लोबल इकोसिस्टम काम करता है। इसमें मुख्य रूप से विदेशी खुफिया एजेंसियाँ और सरकारें शामिल होती हैं। पश्चिमी देशों की कुछ खुफिया एजेंसियाँ और नीति-निर्माता (जैसे अमेरिका और उसके नाटो सहयोगी) अपने भू-राजनीतिक हितों को साधने के लिए अन्य देशों में प्रजातंत्रों की रक्षा के नाम पर दखल देते हैं और सरकारें बदल देते हैं। अंतरराष्ट्रीय डीप स्टेट, वैश्विक हथियारों के सौदागर, तेल और ऊर्जा क्षेत्र के बड़े कॉर्पोरेट्स और बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ हर उस देश में अपनी पसंद की सरकारें चाहती हैं, जो उनके व्यापारिक हितों को बिना किसी बाधा के पूरा होने दें। इसके लिए विदेशी फंडेड एनजीओ और थिंक-टैंक, कई मानवाधिकार और डेमोक्रेसी प्रमोशन से जुड़े संगठन जमीनी स्तर पर असंतोष भड़काने और सरकार-विरोधी भावनाओं को हवा देने का काम करते हैं। वहीं, वैश्विक मीडिया और टूलकिट एक्टिविस्ट, अंतरराष्ट्रीय मीडिया घराने (जैसे कुछ प्रमुख अमेरिकी और ब्रिटिश मीडिया संस्थान) और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स मिलकर धांधली के झूठे दावों को एक वैश्विक सच के रूप में स्थापित करते हैं।

महीनो के मुताबिक पहला नवरात्रि चैत्र महीने में मनाया जाता है और दूसरी बार अश्विन महीने में मनाया जाता है। नवरात्रि नौ दिनों तक निरंतर चलता है जिसमे देवी माँ के अलग अलग स्वरूपों की लोग भक्ति और निष्ठा के साथ पूजा करते है। भारत में नवरात्रि अलग अलग राज्यों में विभिन्न तरीको और विधियों के संग मनाई जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन्ही नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है। उनके आने की खुशी में इन दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। नवरात्रि के पहले दिन बालिकाओं की पूजा की जाती है। दूसरे दिन युवती की पूजा की जाती है। तीसरे दिन जो महिला परपक्वता के चरण में पहुंच गयी है, उसफि पूजा की जाती है। नवरात्रि के चैथे, पांचवें और छठे दिन लक्ष्मी- समृद्धि और शांति की देवी की पूजा करने के लिए समर्पित है। आठवे दिन पर एक यज्ञ किया जाता है। नौवा दिन नवरात्रि समारोह का अंतिम दिन है।यह महानवमी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन उन नौ जवान लड़कियों का सम्मान तथा स्वागत करने के लिए उनके पैर धोए जाते हैं। पूजा के अंत में लड़कियों को उपहार के रूप में नौ कपड़े, वस्तुयें, फल प्रदान किए जाते हैं।

शक्ति की उपासना का पर्व शारदीय नवरात्र प्रतिपदा से नवमी

हो। शासन में स्थिरता और निरंतरता के लिए यह आवश्यक है कि सड़कों के संग्राम को एक सीमा से आगे चुनावी बहुमत को प्रभावित करने की अनुमति न दी जाए।

संसदीय लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और सम्मानजनक होती है। विपक्ष को सरकार की कमियों को उजागर करने और जनता की आवाज बनने का पूरा अधिकार है। लेकिन हालिया घटनाओं में यह देखा गया है कि विपक्ष संसद के भीतर रचनात्मक बहस और विधायी प्रक्रियाओं में भाग लेने के बजाय सड़कों पर शक्ति प्रदर्शन और संवेदनशील सरकारी इमारतों में जबरन प्रवेश करने को अधिक प्राथमिकता दे रहा है। जब विपक्षी सांसद संसद भवन से मार्च निकालकर सीधे संवैधानिक संस्थाओं के मुख्यालयों या राष्ट्रीय महत्व के कार्यालयों (जैसे आकाशवाणी भवन) का घेराव करने निकलते हैं, तो वे स्वयं उस विधायी व्यवस्था को कमतर आंक रहे होते हैं जिसके वे हिस्से हैं।

भारत के पास एक बेहद मजबूत और स्वतंत्र न्यायपालिका है। जब मतदाता सूची पुनरीक्षण का मामला सर्वोच्च न्यायालय के समक्ष गया, तो न्यायालय ने स्पष्ट रूप से इस पर कानूनी प्रक्रिया के तहत विचार करने की बात कही। जब देश की सबसे अधिक अदालत किसी मामले की समीक्षा कर रही हो, तब भी इस तरह से प्रशासनिक अवरोध पैदा करना और अराजकता का माहौल बनाना राजनीतिक अवसरवाद के अलावा कुछ नहीं है। विपक्ष को यह समझना होगा कि सरकार को झुकाने की ज़िद में वे देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था की नींव को ही कमजोर कर रहे हैं।

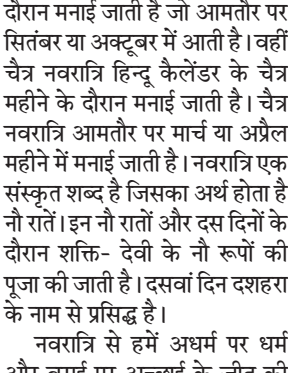
चुनाव में मिली हार या राजनीतिक जमीन वापस पाने का रास्ता जनता के बीच जाकर उनका विश्वास जीतना है, न कि देश की प्रशासनिक व्यवस्था को बंधक बनाना या उस पर अवैध कब्जा करने की कोशिश करना। 'जनादेश का मान या सड़कों पर संग्राम'—यह कोई ऐसा द्वंद नहीं है जिसका समाधान किसी एक को पूरी तरह से मिटाकर किया जा सके। लोकतंत्र में विरोध का अपना स्थान है, लेकिन वह स्थान हमेशा संविधान और कानून के दायरे के भीतर होना चाहिए। सड़कों पर होने वाले आंदोलन या इस प्रकार के तीखे राजनीतिक प्रदर्शन सरकार को सचेत करने वाले 'अलार्म' की तरह काम कर सकते हैं, लेकिन वे स्टीयरिंग व्हील नहीं बन सकते जो देश की दिशा तय करें। देश चलाने का अधिकार केवल और केवल उसी के पास होना चाहिए जिसे भारत की जनता ने वोट की ताकत से वह जिम्मेदारी सौंपी है।

आज के बदले हुए हालातों में, जब देह आर्थिक महाशक्ति बनने की राह पर अग्रसर है, हमें आंतरिक स्थिरता की सबसे ज्यादा जरूरत है। किसी भी आंदोलन, राजनीतिक दल या व्यक्तिगत एजेंडे को यह छूट नहीं दी जा सकती कि वह चुनावी बहुमत को सड़क के संग्राम या अवैध धरनों से झुका दे। अतः, लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत उसकी संवैधानिक सर्वोच्चता में है। सरकार का यह दायित्व है कि वह कानून के शासन को अक्षुण्ण रखे और जनता द्वारा दिए गए प्रचंड जनादेश का मान करे हुए देश को विकास के पथ पर आगे ले जाए, बिना किसी अनुचित और असंवैधानिक दबाव के आगे झुके।

नारी सशक्तिकरण का पर्व है नवरात्रि

भारत त्योहारों का देश है जहां हर पर्व का अपना एक विशेष महत्व और पौराणिक कथा होती है। ऐसा ही एक महत्वपूर्ण पर्व है नवरात्रि । यह पर्व मां दुर्गा के नौ रूपों की उपासना और शक्ति आराधना का प्रतीक है। नवरात्रि मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा और आराधना के लिए समर्पित है। जिन्हें शक्ति, साहस, और नारी सशक्तिकरण का प्रतीक माना जाता है। नवरात्रि का अर्थ है नौ रातें। इस दौरान भक्त देवी दुर्गा की विशेष पूजा करते हैं, उपवास रखते हैं, और भक्ति में लीन रहते हैं। इन नौ दिनों का भारतीय धर्म एवं दर्शन में ऐतिहासिक महत्व है और इन्हीं दिनों में बहुत सी दिव्य घटनाओं के घटने की जानकारी हिन्दू पौराणिक ग्रन्थों में मिलती है। माता के नौ रूपों को नवदुर्गा के नाम से भी जाना जाता है जो इस प्रकार हैं -शैलपुत्री, ब्रह्माचारी, चन्द्रघटा, कूष्माण्डा, स्कन्द माता, कात्यायिनी, कालरात्रि, महागौरी और सिद्धदात्री।

नवरात्रि का त्योहार एक बार वसंत ऋतु के दौरान चैत्र नवरात्रि और शरद ऋतु के दौरान शरद नवरात्रि के रूप में मनाया जाता है। शरद नवरात्रि अश्विन के महीने के



-रमेश सर्राफ धमोरा

मन्दे जाते है। त्योहार की तिथियां चन्द्र कैलेंडर के अनुसार निर्धारित होती हैं। यह पूजा वैदिक युग से पहले प्रागैतिहासिक काल से है। नवरात्रि के पहले तीन दिन देवी दुर्गा की पूजा करने के लिए समर्पित किए गए हैं। यह पूजा उनकी ऊर्जा और शक्ति की की जाती है। प्रत्येक दिन दुर्गा के एक अलग रूप को समर्पित है। नवरात्रि वर्ष में चार बार आता है। चैत्र, आषाढ़, अश्विन, पौष प्रतिपदा से नवमी तक मनाया जाता है। नवरात्रि के नौ रातों में तीन देवियों महालक्ष्मी, सरस्वती और दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा होती है जिन्हें नवदुर्गा कहते हैं। दुर्गा का मतलब जीवन के दुख को हटानेवाली होता है। नवरात्रि एक महत्वपूर्ण प्रमुख त्योहार है जिसे पूरे भारत में पूरे उत्साह के साथ मनाया जाता है। नवरात्रि का त्योहार असात पर सत्य की जीत को दशार्त है। हिन्दू मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि साल में दो बार मनाया जाता है। हिंदी

तक निश्चित नौ तिथि, नौ नक्षत्र, नौ शक्तियों की नवधा भक्ति के साथ सनातन का नौवां भक्ति से मनाया जा रहा है। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्र के नौ दिनों में क्रमशःरू अलग-अलग पूजा की जाती है। मां दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिबाई है। ये सभी प्रकार की सिद्धियां देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प के ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। इस पर्व से जुड़ी एक कथा अनुसार देवी दुर्गा ने एक भैंस रूपी असुर अर्थात महिषासुर का वध किया था। पौराणिक कथाओं के अनुसार महिषासुर केएकाग्र ध्यान से बाध्य होकर देवताओं ने उसे अजय होने का वरदान दे दिया। उसको वरदान देने के बाद देवताओं की चिंता हुई कि वह अब अपनी शक्ति का गलत प्रयोग करेगा। महिषासुर ने अपने साम्राज्य का विस्तार स्वर्ग के द्वार तक कर दिया और उसके इस कृत्य को देख देवता विस्मय की स्थिति में आ गए। महिषासुर ने सूर्य, इन्द्र, अग्नि, वायु, चन्द्रमा, यम, वरुण और अन्य देवताओं के सभी अधिकार छीन लिए और स्वयं स्वर्गलोक का मालिक बन बैठा। देवताओं को महिषासुर के प्रकोप से पृथ्वी पर विचरण करना पड़ रहा था तब महिषासुर के इस दुस्साहस से क्रोधित होकर देवताओं ने देवी दुर्गा की रचना की।

ऐसा माना जाता है कि देवी दुर्गा के निर्माण में सारे देवताओं का एक समान बल लगाया गया था।

महिषासुर का नाश करने के लिए सभी देवताओं ने अपने अपने अस्त्र देवी दुर्गा को दिए थे और कहा जाता है कि इन देवताओं के सम्मिलित प्रयास से देवी दुर्गा और बलवान हो गई थी। इन नौ दिन देवी-महिषासुर संग्राम हुआ और अन्ततः महिषासुर-वध कर महिषासुर मर्दिनी कहलाया। नवदुर्गा और दस महाविद्याओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दशमहाविद्या अनंत सिद्धियां प्रदान करने में सक्षम हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए अगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

नवरात्रि के दौरान उपवास करने से शरीर से विषाक्त पदार्थ निकल जाते हैं, जिससे शरीर स्वस्थ और निरोगी रहता है। नवरात्रि के दौरान ध्यान, योग और भक्ति करने से मन को शांति मिलती है, जिससे तनाव और चिन्ता कम होती है। नवरात्रि व्रत का मूल उद्देश्य है इदियों का संयम और आध्यात्मिक शक्ति का संचय। वस्तुतः नवरात्र अंतःशुद्धि का माहवर्ष है। आज वातावरण में चारों तरफ विचारों का प्रदूषण है। ऐसी स्थिति में नवरात्र का महत्व और भी अधिक बढ़ जाता है।



समय की रफ्तार, 74वें वर्ष में जीवन के अनुभवों को शब्दों में पिरोने की नई चाह



पालघर(उत्तरशक्ति)। समय की रफ्तार के बीच रोटीरी क्लब ऑफ बोईसर तारापुर के पास्ट प्रेसिडेंट रामनारायण गोयल ने अपने जीवन के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि 74वाँ साल चल रहा है। कभी-कभी बैठकर सोचता हूँ कि समय कितनी जल्दी निकल गया। बचपन की हर एक याद आज भी आँखों के सामने किसी चित्रपट की तरह घूमती रहती है। लगता है जैसे कल की ही बात हो—वह बचपन, वह शरारतें, परिवार, रिश्ते और जीवन के छोटे-छोटे सुख। आज जब अपने चेहरे और हाथों को देखता हूँ, तो उन पर आई झुर्रियाँ बीते हुए वर्षों की कहानी कहती हैं। हर झुर्रि के पीछे जीवन का कोई न कोई अनुभव, संघर्ष, लोभ और याद छिपी हुई है। लगभग 55 वर्ष हो गये लगातार कार्य करते हुए। जीवन में कभी सचमुच लंबा ब्रेक नहीं लिया। जिम्मेदारियों निभाते-निभाते समय कब हाथों से रेत की तरह फिसल गया, पता ही नहीं चला। पीछे मुड़कर देखता हूँ तो लगता है कि जीवन ने बहुत कुछ दिया—संघर्ष भी, सफलता भी, रिश्ते भी, सम्मान भी और सबसे बड़ी बात, लोगों के लिए कुछ करने का अवसर भी। अब उम्र के इस पड़ाव पर मन कहता है कि थोड़ा रुककर पीछे भी देखूँ और आगे की राह को भी महसूस करूँ। शरीर भले ही उम्र का एहसास कराने लगा है, लेकिन मन आज भी वही है—कुछ नया करने की इच्छा, लोगों के काम आने की चाह और जीवन को सार्थक बनाने का जुनून अभी बाकी है। समय सच में बहुत तेज है हट्ट बचपन यादों में रह गया, जवानी जिम्मेदारियों में गुजर गई और अब बुढ़ापा दस्तक दे रहा है। बस एक संतोष है—जीवन मिला, उसे जिया भी और अपनी क्षमता के अनुसार दूसरों के काम भी आया। जीवन के इस पड़ाव पर कुछ न कुछ लिखते रहने का जुनून आया है हमेशा बस कुछ लिखता रहूँ।

नवरात्रि उत्सव को लेकर जोन-1 पुलिस की मार्गदर्शन बैठक



मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। आगामी नवरात्रि उत्सव को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और अनुशासित वातावरण में संपन्न कराने के उद्देश्य से मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय के जोन-1 में सार्वजनिक नवरात्रि मंडलों के पदाधिकारियों एवं सदस्यों की मार्गदर्शन बैठक आयोजित की गई। बैठक में उत्सव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, मंडप और कार्यक्रमों की अनुमति, लाउडस्पीकर के इस्तेमाल, ध्वनि प्रदूषण नियंत्रण, जुलूस, यातायात एवं पार्किंग व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन और विसर्जन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन दिया गया। पुलिस प्रशासन ने जोन-1 के अंतर्गत आने वाले कुल 586 सार्वजनिक नवरात्रि मंडलों से अपील की कि वे सभी नियमों का पालन करते हुए पुलिस और नगर निगम प्रशासन के साथ सहयोग करें, ताकि नवरात्रि उत्सव शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न हो सके। डीजे-मुक और अनुशासित उत्सव मनाने की अपील बैठक में मीरा-भायंदर महानगरपालिका के अधिकारियों ने भी भाग लिया। नगर निगम प्रशासन की ओर से नवरात्रि उत्सव के महैनजर की गई तैयारियों और विभिन्न व्यवस्थाओं की जानकारी मंडलों के पदाधिकारियों को दी गई। इसमें स्वच्छता, आवश्यक नागरिक सुविधाओं, यातायात व्यवस्था, भीड़ नियंत्रण तथा उत्सव के दौरान जरूरी व्यवस्थाओं से जुड़े विषय शामिल रहे। पुलिस एवं नगर निगम प्रशासन ने मंडलों के पदाधिकारियों से अपील की कि वे ध्वनि प्रदूषण संबंधी नियमों का पालन करें, निर्धारित समय और अनुमति के अनुसार ही ध्वनि उपकरणों का उपयोग करें तथा यातायात और आम नागरिकों की सुविधा का विशेष ध्यान रखें। प्रशासन ने नवरात्रि उत्सव को दीर्घ-मुक, शांतिपूर्ण, अनुशासित, सुरक्षित और आनंदमय बनाने के लिए सभी से सहयोग की अपील की। पुलिस आदर्श गणेश मंडल प्रतियोगिता-2026 के सात मंडलों का सम्मान बैठक के दौरान पिछले महीने आयोजित गणेशोत्सव-2026 के अंतर्गत मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय द्वारा आयोजित हवुलिस आदर्श गणेश मंडल प्रतियोगिता-2026हू के चर्यनित मंडलों की भी सम्मानित किया गया। जोन-1 के सात पुलिस थानों में से प्रत्येक थाने के एक गणेश मंडल का चयन किया गया था। इन सात मंडलों को जोन-1 के पुलिस उपायुक्त राहुल चव्हाण के हाथों पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य गणेशोत्सव के दौरान सामाजिक सद्भाव, अनुशासन, स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षित उत्सव को प्रोत्साहित करना तथा सार्वजनिक मंडलों को पुलिस प्रशासन के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने के लिए प्रेरित करना है। सम्मानित गणेश मंडल इस प्रकार हैं: 1. काशीमीरा पुलिस थाना: श्री शाशवत सांस्कृतिक मंडल, मीरा-भायंदर रोड, मीरा रोड पूर्व। 2. काशीगांव पुलिस थाना: यू.पी. ग्रीन वुड सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल, सेंट जेवियर्स स्कूल के पास, काशीगांव, मीरा रोड, 3. मीरा रोड पुलिस थाना: शीतलनगर सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल, गणेश मंदिर के पास, शीतल नगर, मीरा रोड पूर्व। 4. नवभर पुलिस थाना: उपलब्ध जानकारी में संबंधित गणेश मंडल का नाम स्पष्ट नहीं है। 5. नवभर पुलिस थाना: मीरा रोड युवा मित्र मंडल, युनिटी बिल्डिंग के पास, भारती पार्क, मीरा रोड पूर्व। 6. भायंदर पुलिस थाना: सदिच्छा फाउंडेशन, कदम गिरी अपार्टमेंट, देना बैंक के सामने, भायंदर पश्चिम। 7. उतान पुलिस थाना: उत्तान नाका सार्वजनिक गणेश मंडल, उत्तान नाका, उत्तान। इसके अतिरिक्त, उपलब्ध सूची में हूडू श्री गर्जना मित्र मंडलहू, साईबाबा मंदिर गली, बी.पी. रोड, भायंदर पूर्व का भी नाम दिया गया है। संबंधित पुलिस थानों के साथ इस मंडल के चयन की पुष्टि की जानी आवश्यक है, ताकि पुरस्कार विजेताओं की अंतिम सूची में किसी प्रकार की त्रुटि न रहे। सामाजिक सद्भाव और सुरक्षा पर जोर पुलिस एवं नगर निगम प्रशासन की इस संयुक्त पहल का उद्देश्य आगामी नवरात्रि उत्सव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखना, नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करना, ध्वनि प्रदूषण पर नियंत्रण रखना तथा यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखना है। प्रशासन ने सभी सार्वजनिक मंडलों से अपील की कि वे उत्सव को सामाजिक सद्भाव, स्वच्छता, पर्यावरण के प्रति जागरूकता और अनुशासन के साथ मनाएं।

ऑनलाइन सट्टेबाजी के अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश, 9 आरोपी गिरफ्तार

♦रेड्डी बुक, रेड्डी 66 और नितिन ऑनलाइन बुक पैनल के जरिए चल रहा था कथित अवैध कारोबार; मोबाइल, लैपटॉप, बैंकिंग दस्तावेज और सिम कार्ड सहित लाखों का सामान जब्त मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। ऑनलाइन गेमिंग और सट्टेबाजी के जरिए कथित तौर पर अवैध आर्थिक लेन-देन करने वाले गिरोह के खिलाफ मीरा-भायंदर, वसई-विरार पुलिस आयुक्तालय की अपराध शाखा सेल-2, वसई ने कार्रवाई की है। पुलिस के अनुसार, इस मामले में कुल 9 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से बड़ी संख्या में मोबाइल फोन, लैपटॉप,

टैबलेट, सिम कार्ड, एटीएम कार्ड, बैंक पासबुक और चेकबुक सहित विभिन्न इलेक्ट्रॉनिक उपकरण एवं दस्तावेज जब्त किए गए हैं। जब्त संपत्ति का कुल मूल्य लगभग 9.86 लाख रुपये बताया गया है। नायगांव में कार्रवाई से खुला मामला पुलिस के मुताबिक, 21 सितंबर 2026 को रात करीब 9:50 बजे नायगांव पूर्व स्थित सनटेक हिल व्यू-1 एवं लोकेशोर कंपनी हाउसिंग सोसायटी की बिल्डिंग नंबर 13 के कमरा नंबर 204 में कार्रवाई की गई। इस दौरान फुरकान अहमद जसीमुद्दीन अंसारी (21) को गिरफ्तार किया गया। जांच में सामने आया कि आरोपी अपने छह अन्य साथियों के साथ कथित तौर पर रेड्डी बुक और रेड्डी 66 पैनल के माध्यम से क्रिकेट, फुटबॉल, रमी सहित विभिन्न खेलों पर ऑनलाइन



सट्टेबाजी और जुए का संचालन कर रहा था। पुलिस के अनुसार, इस नेटवर्क में बैंक खातों और सिम कार्ड का इस्तेमाल ऑनलाइन रकम के लेन-देन के लिए किया जाता था। आरोप है कि खाताधारकों और सिम कार्ड धारकों की जानकारी का दुरुपयोग कर विभिन्न खातों में पैसे ट्रांसफर किए जाते थे। इस मामले में नायगांव पुलिस स्टेशन में अपराध क्रमांक 867/2026 के तहत

भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धाराओं 66(सी) एवं 66(डी) तथा महाराष्ट्र जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। गोवा में भारत-पाकिस्तान फाइनल मैच पर सट्टेबाजी का आरोप

मामले की जांच के दौरान अपराध शाखा सेल-2 ने तकनीकी विश्लेषण और गोपनीय सूचना के

आधार पर आरोपियों के मोबाइल नंबरों की जानकारी जुटाई। पुलिस के अनुसार, जांच के दौरान आरोपियों के संपर्कों का पता उत्तरी गोवा तक पहुंचा। इसके बाद 3 अक्टूबर 2026 को उत्तरी गोवा के पोखरीम क्षेत्र में कार्रवाई की गई। पुलिस ने नितिन मोहन कुमार मखीजानी (45), करण सुरेश तान्यानी (21), दीपक अनिल बत्रा (26), हितिक विनोद खुबचंद (26), राकेश संत्राम दास वधवानी (30) और मोहित हंसराज पोपतानी (24) सहित आरोपियों को भारत-पाकिस्तान एशिया कप 2026 के फाइनल मैच पर कथित तौर पर ऑनलाइन सट्टेबाजी करते हुए गिरफ्तार किया। पुलिस की जांच के अनुसार, आरोपी नितिन ऑनलाइन बुक पैनल का इस्तेमाल कर रहे थे। गोवा में की

गई तलाशी के दौरान ऑनलाइन गेमिंग में इस्तेमाल होने वाले मोबाइल फोन, लैपटॉप, चार्जर, पासबुक, चेकबुक, एटीएम कार्ड, सीसीटीवी कैमरे, सिम कार्ड और नोटबुक सहित विभिन्न वस्तुएं बरामद की गईं। मुख्य आरोपियों की भी किया गिरफ्तार पुलिस के मुताबिक, पूछताछ और जांच के दौरान कथित नेटवर्क के मुख्य आरोपियों निकोलस उर्फ निक्की नरेंद्र रंगारी (34) तथा दीपक गोविंदराम धीरवानी (44) की पहचान हुई दोनों को पुणे-अहिल्या नगर रोड पर यात्रा के दौरान गिरफ्तार किए जाते की जानकारी पुलिस ने दी है। हालांकि, उपलब्ध विवरण में इन दोनों की गिरफ्तारी की तारीख 5 सितंबर 2026 बताई गई है, जबकि गोवा की कार्रवाई 3 अक्टूबर 2026 की है।

जायंट्स वेलफेयर फाउंडेशन की चौथी काउंसिल बैठक का आयोजन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। जायंट्स वेलफेयर फाउंडेशन, 1अ की बैठक गट दिनों अंधेरी में संपन्न हुई। इस दौरान अध्यक्ष पूनम रावल ने जायंट्स सिंगिंग स्टार के साथ चौथी काउंसिल मीटिंग का आयोजन किया। इस अवसर पर पीसी जोशी का



93वां जन्मदिन मनाया, जो उच्च अग्रशासन वाले व्यक्ति हैं और संस्था के लिए एक महान धरोहर हैं। CCM वाशु वसंदानी, फेडरेशन के उपाध्यक्ष हसन लोखंडवाला और हसमुख गालानी ने मंच की शोभा बढ़ाई। काउंसिल सदस्यों को सामाजिक संस्थाओं की प्रगति और कल्याण के बारे में उनकी वार्षिक रिपोर्ट दी गई और अध्यक्ष पूनम ने उन्हें उत्कृष्टता पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के बाद गायन प्रतियोगिता हुई और सभी समाज सेवकों ने खूब आनंद लिया।

यह एक मंत्रमुग्ध कर देने वाली शाम थी। डॉ. हुसेन कालसेकर, हरीश रावल, निर्मला जैन, जुलफिकार असीर्वाला, निसरीन कपाड़िया, दीप व्यास, सरिता चौधरी, चंदा विरानी, रानी अग्रवाल और कई अन्य को गायन पुरस्कार मिले। पूनम ने सभी को धन्यवाद दिया। साथ ही अपने होस्ट ग्रुप के सदस्यों, रविन सोमपुरा और विभववी रावल को उनके अग्रणी के लिए धन्यवाद दिया। कार्यक्रम का समापन रास गवबा और शानदार रात्रिभोज के साथ हुआ।

भिंवंडी में महाविकास आघाड़ी का वोट बचाओ-देश बचाओ आंदोलन

भिंवंडी (उत्तरशक्ति)। मतदाताओं के मतदान अधिकारों की रक्षा और चुनाव प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की मांग को लेकर इंडिया महाविकास आघाड़ी की ओर से शुक्रवार, 9 अक्टूबर को भिंवंडी में हावेट बचाओइदेश बचाओ अभियान के तहत प्रांताधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। आघाड़ी ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली की जांच कर उन्हें बर्खास्त करने तथा नैतिक जिम्मेदारी स्वीकार कर इस्तीफा देने की मांग की। ज्ञापन सौंपने से पहले भिंवंडी महानगरपालिका की पुरानी इमारत के सामने भारततर डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर गुणहार अर्पित कर अभिवादन किया गया। इसके बाद विभिन्न दलों के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने प्रांताधिकारी कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन



सौंपा तथा इसे केंद्र सरकार तक पहुंचाने की मांग की। ज्ञापन में मतदाता सूचियों से पात्र मतदाताओं के नाम कथित रूप से हटाए जाने, विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया और चुनावी पारदर्शिता पर सवाल उठाए गए। आघाड़ी प्रतिनिधियों ने पश्चिम बंगाल में करीब 92 लाख मतदाताओं के नाम हटाए जाने, बिहार में बड़े पैमाने पर नाम हटाने तथा महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान 47 लाख फर्जी मतदाताओं के पंजीकरण का आरोप लगाया। उन्होंने इन दावों की

आधिकारिक रिकॉर्ड के आधार पर स्वतंत्र और निष्पक्ष जांच कराने की मांग की। आघाड़ी ने कहा कि मतदाता सूची से नाम हटाने के कारण सार्वजनिक किए जाएं और यदि पात्र मतदाताओं के नाम गलत तरीके से हटाए गए हैं, तो उन्हें बहाल करने की कार्रवाई की जाए। मुख्य चुनाव आयुक्त की भूमिका की जांच कर दोष साबित होने पर कानूनी एवं संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार कार्रवाई करने की मांग भी की गई। इससे पहले शिवसेना के मध्यवर्ती कार्यालय में आयोजित सर्वदलीय बैठक में भिंवंडी शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष आबिद मुन्सफ खान, शिवसेना के सहसंपर्क प्रमुख मनोज गे, प्रदीप बोर्डे, गजेन्द्र गुलवी, राष्ट्रीय कांग्रेस के शोएब गुड्डा और भारतीय कम्यूनिस्ट पार्टी के विजय कांबले सहित विभिन्न दलों के पदाधिकारी उपस्थित थे।

भिंवंडी में पानी चोरी नहीं रुकी तो होगा उग्र आंदोलन-विधायक रईस शेख

भिंवंडी (उत्तरशक्ति)। शहर में बढ़ती पानी चोरी और भविष्य में जलसंकट की आशंका को देखते हुए विधायक रईस शेख ने भिंवंडी महानगरपालिका प्रशासन से अवैध जल दोहन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। उन्होंने शहर में संचालित करीब 70 अवैध बॉटलिंग प्लांटों पर कार्रवाई कर जल वितरण व्यवस्था दुरुस्त करने की मांग को लेकर मत्पा आयुक्त को ज्ञापन सौंपा। इसके बाद आयोजित पत्रकार परिषद में उन्होंने प्रशासन को एक महीने का अल्टीमेटम दिया। विधायक शेख के अनुसार, शहर में अवैध बॉटलिंग प्लांटों के माध्यम से लाखों लीटर पानी का कथित दुरुपयोग हो रहा है। इसके अलावा साइजिंग, डाइंग इकाइयों और सर्विस



सेंटरों में भी अनधिकृत रूप से पानी का इस्तेमाल किया जा रहा है। अवैध नल कनेक्शनों के जरिए पानी चोरी होने की शिकायतें भी सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में सूखे की स्थिति और भविष्य में संभावित जलसंकट को देखते हुए मत्पा प्रशासन को गंभीरता से कदम उठाने चाहिए। पानी चोरी और लीकेज पर

रोक लगाने के साथ शहर में समान एवं नियोजित जल वितरण सुनिश्चित करना जरूरी है, ताकि आम नागरिकों को पर्याप्त पानी मिल सके। विधायक रईस शेख ने चेतावनी दी कि यदि एक महीने के भीतर पानी चोरी पर नियंत्रण नहीं किया गया और अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं हुई, तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।

मेरा गांव, स्वस्थ गांव अभियान से ग्रामीण स्वास्थ्य को मिलेगी नई दिशा



पालघर(उत्तरशक्ति)। ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों के स्वास्थ्य स्तर को बेहतर बनाने, बीमारियों को रोकथाम और जनभागीदारी के माध्यम से स्वस्थ गांवों का निर्माण करने के उद्देश्य से महाराष्ट्र शासन के सार्वजनिक स्वास्थ्य विभाग द्वारा मेरा गांव, स्वस्थ गांव अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के प्रभावी क्रिया-व्ययन के लिए जिला परिषद पालघर के स्वास्थ्य विभाग की ओर से जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) अशोक पाटील की अध्यक्षता में आयोजित इस कार्यशाला में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सूरेश चौधरी, जिला कार्यक्रम अधिकारी (महिला एवं बाल विकास) व्यंकटराव हुंडेकर तथा माता एवं बाबा संगेयन अधिकारी डॉ. वैदेही मालवी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। कार्यशाला में सरपंच, गट विकास अधिकारी, तहसील स्वास्थ्य

बढ़ाने पर जोर दिया। अभियान के अंतर्गत संक्रामक एवं गैर-संक्रामक बीमारियों पर नियंत्रण, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, संपूर्ण टीकाकरण, कुपोषण उन्मूलन और निवारक स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता दी जायेगी। क्षय रोग, कुष्ठ रोग, मलेरिया, डेंगू तथा जलजनित बीमारियों की रोकथाम और नियंत्रण के साथ मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं कैंसर जैसी बीमारियों की जांच, समय पर निदान और नियमित उपचार पर विशेष ध्यान दिया जायेगा। गर्भवती महिलाओं का समय पर पंजीकरण, नियमित स्वास्थ्य जांच और संस्थागत प्रसव को भी प्रोत्साहित किया जायेगा। ग्राम पंचायत, स्वास्थ्य विभाग, ग्राम स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं पोषण समितियों, महिला स्वयं सहायता समूहों, आशा स्वयंसेविकाओं और ग्रामीणों के सहयोग से प्रत्येक गांव के लिए स्वास्थ्य संबंधी कार्ययोजना तैयार की जायेगी।

विश्व रिकॉर्ड बनाने के लिए कौशल विकास विभाग तैयार, सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज को युवाओं का उत्साहपूर्ण प्रतिसाद

मुंबई (उत्तरशक्ति)। केंद्रीय कौशल विकास विभाग की ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर देशभर में चल रहे सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज नामक बहुराज्यीय नवाचार प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार विभाग के माध्यम से महाराष्ट्र में भी इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है। आवेदन प्रक्रिया २१ सितंबर से शुरू हो चुकी है और १७ अक्टूबर २०२६ तक ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे। इस प्रतियोगिता में नवप्रवर्तक, विद्यार्थी, विद्यार्थी समूह, शोधकर्ता, प्राध्यापक, स्टार्टअप, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई), कंपनियां, सामाजिक संस्थाएं, शैक्षणिक एवं अनुसंधान संस्थाएं तथा अन्य नवाचार टीमें भाग ले सकती हैं। इस चैलेंज के माध्यम से स्कूल और कॉलेज के विद्यार्थियों को कृषि, स्वास्थ्य, महिला सुरक्षा, शहरी विकास, पर्यावरण, रक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, शिक्षा और रोजगार क्षमता जैसे विभिन्न क्षेत्रों की समस्याओं को समझने तथा उनके रचनात्मक समाधान प्रस्तुत करने का अवसर मिलेगा।



'सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज' में भाग लेने के लिए कोई आयु सीमा नहीं है। प्रत्येक व्यक्ति की रचनात्मकता को अवसर मिलेगा। विद्यार्थियों के नवाचारों के लिए यह राज्यस्तरीय मंच उपलब्ध है और हमारी इच्छा है कि ज्यादा से ज्यादा विद्यार्थी इसमें भाग लें। आरंभीय मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों की भागीदारी बढ़ाने के लिए हम काम कर रहे हैं, ऐसा मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने कहा।

मंत्री मंगल प्रभात लोढ़ा ने बताया कि सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज के लिए महाराष्ट्र से अब तक तीन हजार से अधिक विद्यार्थियों और युवक-युवतियों ने पंजीकरण किया है। वहीं, गोवा, दीव-दमण और छत्तीसगढ़ से छह हजार से अधिक विद्यार्थियों और युवक-युवतियों ने इस प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण किया है। विशेष बात यह है कि ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों और युवक-युवतियों का भी उत्साहपूर्ण प्रतिसाद मिल रहा है। नवाचार और अनुसंधान के माध्यम से अपने विचारों को साकार करने के लिए इनकी भागीदारी बढ़ रही है।

इस प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इच्छुक प्रतिभागी [https://sevainnovationchallenge.in/] (https://sevainnovationchallenge.in/) पर जाकर या क्यूआर कोड स्कैन करके अपना प्रोजेक्ट प्रस्तुत कर सकते हैं। पोर्टल पर पहले चरण में पंजीकरण के लिए आवश्यक जानकारी देनी होगी। दूसरे चरण में प्रोजेक्ट प्रस्तुत करते समय प्रतिभागियों को आधार से जुड़ी व्यक्तिगत जानकारी और प्रोजेक्ट के विवरण देना होगा। पूरी प्रक्रिया

वृक्ष मित्र मंडल पास्थल को प्राप्त हुआ पालघर जिलास्तरीय प्रथम पुरस्कार

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। पालघर जिला पुलिस दल की ओर से आयोजित सार्वजनिक श्री गणेशमूर्ति विसर्जन मिरवणूक स्पर्धा-2026 में बोईसर के पास्थल स्थित वृक्ष मित्र मंडल ने पालघर जिलास्तर पर प्रथम पुरस्कार प्राप्त कर क्षेत्र का गौरव बढ़ाया है। मंडल को इस उपलब्धि के लिए एक लाख रुपये की पुरस्कार राशि का चेक प्रदान कर सम्मानित किया गया। गणेशोत्सव के दौरान पर्यावरणपूरक गणेशमूर्ति, पर्यावरण के अनुकूल आकर्षक सजावट, उत्कृष्ट आयोजन व्यवस्था तथा पारंपरिक भव्य गणेश आगमन और विसर्जन मिरवणूक के साथ मंडल की ओर से वर्षभर चलाए जाने वाले विभिन्न सामाजिक, सांस्कृतिक और पर्यावरण संरक्षण संबंधी उपक्रमों को ध्यान में रखते हुए यह पुरस्कार प्रदान किया गया। इस उपलब्धि से वृक्ष मित्र मंडल



के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और पास्थल के ग्रामस्थों में हर्ष का माहौल है। मंडल की ओर से कहा गया कि यह पुरस्कार केवल एक संस्था का गौरव नहीं, बल्कि प्रत्येक कार्यकर्ता की अथक मेहनत, ग्रामस्थों के सहयोग और गणेशभक्तों के स्नेह का प्रतीक है। इस गौरवपूर्ण सफलता के लिए मंडल ने सभी पदाधिकारियों, युवाओं, महिलाओं, युवतियों, सदस्यों, दानदाताओं, ग्रामस्थों और

गणेशभक्तों के प्रति आभार व्यक्त किया। मंडल ने कहा कि सभी के प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष सहयोग, समर्पण तथा सामूहिक प्रयासों के कारण ही यह उपलब्धि हासिल करना संभव हुआ है।

वृक्ष मित्र मंडल की ओर से पालघर जिला पुलिस अधीक्षक यतिश देशमुख, तारापुर पुलिस स्टेशन के प्रमुख प्रवीण संरक्षण तथा मनोज अभिरे के मार्गदर्शन और प्रोत्साहन के लिए भी विशेष आभार व्यक्त किया गया। जिलास्तरीय प्रथम पुरस्कार मिलने से वृक्ष मित्र मंडल के सामाजिक और पर्यावरण संरक्षण संबंधी कार्यों को नई पहचान मिली है। मंडल ने भविष्य में भी पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सेवा और सांस्कृतिक परंपराओं को बढ़ावा देने वाले उपक्रम निरंतर जारी रखने का संकल्प व्यक्त किया।

उत्तरशक्ति

* संपादक: ओमप्रकाश प्रजापति

* उप संपादक: प्रेम चंद मिश्रा

*प्रबंध संपादक: डा. शेषधर बिन्द

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।

पत्राचार कार्यालय :

उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)

मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्ल्यू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जबल ऑटोफ हिल वडाला, मुंबई-37

मो.- 9554493941

email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागुम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, ओर रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरोगव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुद्रित एवं के-4, रुम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर यु समता सहकारी को.ऑ. हॉ. सांसाइटी, एमएमआरडी कॉलोनी कंजूरगाव (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे। पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रेक टर्मिनल, डब्ल्यू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जबल, ऑटोफ हिल, वडाला मुंबई-37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

जमीनी विवाद ने लिया हिंसक रूप, अधेड़ को लगी गोली; हालत गंभीर

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर बरामद की लाइसेंसी बंदूक

जितेन्द्र कनोजिया
केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत थाना क्षेत्र के सरौनी पूरबपट्टी गांव में शुक्रवार को जमीनी



विवाद को लेकर गोली चलने से इलाके में सनसनी फैल गई। विवाद के दौरान समर बहादुर मौर्या (पुत्र रघुनाथ मौर्या) को गोली लग गई। गोली उनकी जांच में लगी, जिसके बाद उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल

पहुंचाया गया।
डायल 112 पर बेटे ने दी सूचना: मिली जानकारी के अनुसार, शुक्रवार, 9 अक्टूबर

पिता को गोली मार दी है।
सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर: गोली लगने के बाद घायल समर बहादुर को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) केराकत ले जाया गया। वहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने उनकी हालत को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए जिला अस्पताल जौनपुर रेफर कर दिया।
आरोपी गिरफ्तार, लाइसेंसी बंदूक बरामद: घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मामले की जांच में जुट गई। क्षेत्राधिकारी गजेन्द्र सिंह के मुताबिक, पुलिस ने आरोपी कन्हैया लाल मौर्या उर्फ लुल्ली को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल की गई लाइसेंसी बंदूक भी बरामद कर ली है। फिलहाल पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। जमीनी विवाद को लेकर हुई इस गोलीबारी की घटना से गांव में चर्चा का माहौल है।

छात्रों ने बनाए सिक्थोर वेब एप्लीकेशन, मिनी-प्रोजेक्ट का किया प्रदर्शन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय में चल रही छह दिवसीय कार्यशाला 'सिक्थोर

कार्यशाला में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो.आर. के. सिंह जी ने छात्रों से सीधे संवाद किया और कार्यशाला में छात्रों ने क्या सीखा



एप्लीकेशन 'डेवलपमेंट' के पांचवें दिन छात्रों ने अपने सीखे हुए कौशल का व्यावहारिक प्रदर्शन किया।

आइ ईईई स्टूडेंट ब्रांच, इंजीनियरिंग संकाय के सहयोग से आयोजित यह कार्यशाला कुलपति प्रो. आर. के. सिंह की प्रेरणा से 05 से 10 अक्टूबर तक चल रही है। इस कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को साइबर सुरक्षित एप्लीकेशन बनाना सिखाना है।

और भविष्य की संभावनाओं के बारे में मार्गदर्शन किया।
पांचवें दिन का पूरा सत्र मिनी-प्रोजेक्ट को समर्पित रहा। मुख्य विषय विशेषज्ञ डॉ. अनूप गिरधर के मार्गदर्शन में छात्रों ने चार दिनों में सीखी गई तकनीकों - पायथन, रडछ डेटाबेस कनेक्टिविटी, हैश फाइल, स्ट्रीमलिट और फ्लास्क फ्रेमवर्क का उपयोग कर अपने-अपने प्रोजेक्ट विकसित किए।

शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के लिए विश्वविद्यालय प्रतिबद्ध: कुलपति

कुलपति सभागार में संबद्ध महाविद्यालय शिक्षक संघ का परिचय समारोह

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति सभागार में शुक्रवार को वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय संबद्ध महाविद्यालय शिक्षक संघ द्वारा परिचय समारोह का आयोजन शुक्रवार को किया गया।

समाधान के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उनका उद्देश्य विद्यार्थियों को **शैक्षणिक विकास एवं शिक्षकों की समस्याओं पर हुई चर्चा**



इस अवसर पर संगठन के पदाधिकारियों ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह से मुलाकात कर संगठन की विभिन्न गतिविधियों, शिक्षकों की समस्याओं तथा विश्वविद्यालय की सैमस्याओं के निराकरण के लिए विश्वविद्यालय में आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है, जिससे शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुगम और प्रभावी बनाया जा सके।
उन्होंने कहा कि शिक्षक संघ विद्यार्थियों के हितों को सर्वोपरि

गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ ही महाविद्यालयों के विद्यार्थियों को समय से अंकपत्र उपलब्ध कराना और उनकी समस्याओं का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना है। इसके लिए विश्वविद्यालय में आईटी इन्फ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है, जिससे शैक्षणिक एवं प्रशासनिक कार्यों को अधिक सुगम और प्रभावी बनाया जा सके।
उन्होंने कहा कि शिक्षक संघ विद्यार्थियों के हितों को सर्वोपरि

रखते हुए कार्य करेगा, ऐसी उन्हें पूरी उम्मीद है। शिक्षकों की समस्याओं को भी प्राथमिकता के आधार पर दूर करने का प्रयास किया जाएगा।

इस अवसर पर वित्त अधिकारी विनोद कुमार ने कहा कि शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए हरसंभव प्रयास किया जाएगा। वित्त विभाग की ओर से शिक्षकों को किसी प्रकार की परेशानी न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा। इस अवसर पर संबद्ध महाविद्यालय शिक्षक संघ की ओर से नवागत वित्त अधिकारी विनोद कुमार का स्वागत भी किया गया। संगठन के अध्यक्ष डॉ. राहुल सिंह ने शिक्षकों से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार रखे। डॉ. नरेंद्र पाठक एवं डॉ. पवन पांडेय ने गीत के माध्यम से अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन संगठन के महामंत्री डॉ. शैलेन्द्र सिंह ने किया।

इस अवसर पर प्रो. विजय सिंह, प्रो. हिमांशु सिंह, प्रो. राकेश यादव, डॉ. गंगेश दीक्षित, डॉ. विशाल सिंह, डॉ. सुजीत पटेल, डॉ. प्रिया शुक्ला, डॉ. रेखा त्रिपाठी, डॉ. ओ.पी. मिश्रा, डॉ. रणधीर पांडेय, प्रो. अशोक श्रीवास्तव सहित अनेक शिक्षक एवं संगठन के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

इटावा में छात्र के सिर पर तबला बजाने जैसा व्यवहार करते दिखे प्रधानाचार्य, निलंबित



ने मामले को गंभीरता से लिया है। विभाग ने प्रधानाचार्य को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। घटना को लेकर शिक्षा विभाग की कार्रवाई चर्चा में है।

एसएसपी डॉ. यश वीर सिंह ने की जनसुनवाई, शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नवागत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. यश वीर सिंह ने शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर



फरियादियों की समस्याओं एवं शिकायतों को सुना। इस दौरान उन्होंने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए उनके शीघ्र और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। एसएसपी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध तरीके से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए, ताकि फरियादियों को न्याय मिल सके।

शारदीय नवरात्रि व दुर्गा पूजा को लेकर शाहगंज थाने में हुई पीस कमेटी की बैठक

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आगामी शारदीय नवरात्रि, दुर्गा पूजा, भरत मिलाप, रामलीला, रावण दहन और मेले को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए शुक्रवार को थाना शाहगंज परिसर में पीस कमेटी की बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता क्षेत्राधिकारी शाहगंज ने की। इस



दौरान प्रभारी निरीक्षक शाहगंज भी उपस्थित रहे।
बैठक में थाना क्षेत्र के मां दुर्गा प्रतिमा स्थापना, रामलीला, मेला और रावण दहन के आयोजकों के साथ क्षेत्र के संप्रभू नागरिकों ने हिस्सा लिया। पुलिस अधिकारियों ने शासन द्वारा जारी गाइडलाइन का पालन करने तथा सभी आयोजनों के लिए सक्षम अधिकारी से अनुमति प्राप्त करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने त्योहारों के दौरान शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने और सभी कार्यक्रमों को निर्धारित नियमों के अनुसार संपन्न कराने पर जोर दिया। बैठक में आयोजकों से प्रशासन के निर्देशों का पालन करते हुए त्योहारों को आपसी सौहार्द और भाईचारे के साथ मनाने की अपील की गई।

विकास भवन सभागार में स्वयं सहायता समूहों के गठन की प्रगति की समीक्षा, लक्ष्य पूरा करने के निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकास भवन सभागार में मुख्य विकास अधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत स्वयं सहायता समूहों के गठन की प्रगति की समीक्षा की गई। बैठक में उपायुक्त एनआरएलएम एवं जनपद के सभी 21 विकासखंडों के सहायक विकास अधिकारी ग्राम्य विकास एवं समस्त ब्लॉक मिशन प्रबंधकों (बीएमएम) ने प्रतिभाग किया। बैठक में समूह गठन के निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष कम प्रगति करने वाले विकासखंडों की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए गए। निर्देशित किया गया कि प्रत्येक विकासखंड द्वारा प्रतिदिन 10 स्वयं सहायता समूहों का गठन सुनिश्चित करते हुए उनका लोकोस पोर्टल पर एमआईएस कराया जाए। साथ ही, एमआईएस पोर्टल के माध्यम से प्रगति रिपोर्ट प्रतिदिन प्रातः प्रेषित की जाए। सभी विकास खंडों के सहायक विकास अधिकारी (ग्राम्य विकास) को निर्देशित किया गया कि चालू माह के अंतिम दिवस तक प्रत्येक विकासखंड निर्धारित लक्ष्य के सापेक्ष कम से कम 25 प्रतिशत प्रगति सुनिश्चित करें। बैठक में स्पष्ट किया गया कि निर्धारित लक्ष्य के अनुरूप प्रगति सुनिश्चित न करने वाले विकास खंडों के संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। इसके लिए संबंधित विकासखंड के ब्लॉक मिशन प्रबंधक एवं सहायक विकास अधिकारी (ग्रामीण विकास) उत्तरदायी होंगे।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में विधिक जागरूकता शिविर, छात्राओं को सर्वाइकल कैसर के प्रति किया जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, जौनपुर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में छात्राओं को सर्वाइकल कैसर, महिला स्वास्थ्य, टीकाकरण और विधिक सेवा प्राधिकरण की

आर से उपलब्ध कराई जाने वाली सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार आयोजित इस कार्यक्रम का संचालन जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष सुशील कुमार शशि के निर्देशन तथा प्राधिकरण के

कांशीराम के परिनिर्वाण दिवस पर सपा ने दी श्रद्धांजलि, तीन लोगों ने ग्रहण की सदस्यता

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। समाजवादी पार्टी जौनपुर की ओर से बहुजन नायक मान्यवर कांशीराम साहब का परिनिर्वाण दिवस जिला कार्यालय, सदर चुंगी, अल्फस्टीनगंज में श्रद्धापूर्वक मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला उपाध्यक्ष श्यामबहादुर पाल ने की। नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और सामाजिक न्याय के संघर्ष को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

श्यामबहादुर पाल बोले- सामाजिक न्याय के संकल्प का दिन है कांशीराम साहब का परिनिर्वाण दिवस



साहब के विचारों को आत्मसात करने और वर्ष 2027 में सामाजिक परिवर्तन के साथ सत्ता परिवर्तन के संकल्प को दोहराया। साहबलाल गौतम ने गीत के माध्यम से श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम का संचालन जिला महासचिव आरिफ हबीब ने किया। आरिफ हबीब के प्रयास से तीन लोग सपा में शामिल:

सुशील प्रजापति और गायिका वंदना ने समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी पदाधिकारियों ने तीनों को अंगवस्त्रम भेंटकर सम्मानित किया। इस अवसर पर जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र यादव टाइनर, जिला सचिव श्रवण जायसवाल, हवलदार चौधरी, दीपक विश्वकर्मा, हरिश्चंद्र प्रभाकर, विजय बहादुर गौतम, जगन्नाथ यादव, अमित जैसवार, ऊषा जायसवाल सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सफाई कर्मियों के पैर धोकर किया सम्मान, मरीजों में बांटे फल और लगाए पौधे

जितेन्द्र कनोजिया
केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूर्व विधायक एवं राष्ट्रीय रजक महासंघ भारत के राष्ट्रीय अध्यक्ष दिनेश चौधरी ने अपना जन्मदिन 'अर्पण महोत्सव' के रूप में मनाया। इस दौरान उन्होंने सफाई कर्मियों के पैर धोकर, माला पहनाकर और पुष्प अर्पित कर सम्मानित किया। पुरुष सफाई कर्मियों को गमछा और महिला कर्मियों को साड्डियां भेंट कीं।

पूर्व विधायक दिनेश चौधरी ने 'अर्पण महोत्सव' के रूप में मनाया जन्मदिन, सेवा और सामाजिक समरसता का दिया संदेश



जन्मदिन के अवसर पर वह केराकत अस्पताल पहुंचे और भर्ती मरीजों का हालचाल जानकर उन्हें फल वितरित किए। साथ ही अस्पताल परिसर में दो पौधे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने सोहर गीत गाकर उन्हें जन्मदिन की

शुभकामनाएं दीं।
इस मौके पर राष्ट्रीय रजक महासंघ भारत के पदाधिकारी, सदस्य और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम के जरिए सेवा, सम्मान, सामाजिक समानता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।

जौनपुर में डेंगू का नया मरीज मिला, जिले में अब तक 20 मामले

सिकरारा के देवपुर गांव में स्वास्थ्य विभाग ने चलाया अभियान, लोगों को किया जागरूक

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद में डेंगू का एक नया मामला सामने आया है। सिकरारा ब्लॉक के देवपुर गांव में मरीज मिलने के बाद जनवरी 2026 से अब तक जिले में डेंगू के कुल 20 मामले दर्ज हो चुके हैं। हालांकि, अब तक डेंगू से किसी की मृत्यु नहीं हुई है।



मामले की जानकारी मिलने पर जिला मलेरिया अधिकारी सुनील कुमार यादव, सहायक मलेरिया अधिकारी संजीव कुमार मिश्रा, स्वास्थ्य पर्यवेक्षक बीएल गौतम और आशा कार्यकर्ता ममता सिंह ने गांव का भ्रमण किया। इस दौरान फीवर सर्वे, मच्छरों के जनजन स्थलों की जांच, एंटी लार्वा छिड़काव, पोस्टर चस्पा करने और पर्चे वितरित करने सहित जागरूकता संबंधी गतिविधियां संचालित की गईं।

जिला मलेरिया अधिकारी ने बताया कि अक्टूबर तक डेंगू का खतरा बना रह सकता है। उन्होंने लोगों से घरों के आसपास साफ-सफाई रखने, पानी जमा न होने देने, कूलर और फ्रिज की ट्रे का पानी नियमित रूप से बदलने तथा पानी की टंकियों को ढककर रखने की अपील की।

उन्होंने कहा कि बुखार होने पर नजदीकी सरकारी स्वास्थ्य केंद्र पर जांच और उपचार कराएं। सरकारी

जौनपुर रोडवेज डिपो में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ, चालकों-परिचालकों की हुई जांच

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के रोडवेज बस डिपो परिसर जौनपुर में शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को जिला एड्स नियंत्रण सोसायटी के तत्वावधान में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी से प्राप्त निर्देशों के क्रम में आयोजित इस शिविर में डिपो में कार्यरत चालकों, परिचालकों और सहयोगी कर्मचारियों को विभिन्न स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के रोडवेज बस डिपो परिसर जौनपुर में शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को जिला एड्स नियंत्रण सोसायटी के तत्वावधान में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी से प्राप्त निर्देशों के क्रम में आयोजित इस शिविर में डिपो में कार्यरत चालकों, परिचालकों और सहयोगी कर्मचारियों को विभिन्न स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के रोडवेज बस डिपो परिसर जौनपुर में शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को जिला एड्स नियंत्रण सोसायटी के तत्वावधान में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी से प्राप्त निर्देशों के क्रम में आयोजित इस शिविर में डिपो में कार्यरत चालकों, परिचालकों और सहयोगी कर्मचारियों को विभिन्न स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के रोडवेज बस डिपो परिसर जौनपुर में शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को जिला एड्स नियंत्रण सोसायटी के तत्वावधान में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी से प्राप्त निर्देशों के क्रम में आयोजित इस शिविर में डिपो में कार्यरत चालकों, परिचालकों और सहयोगी कर्मचारियों को विभिन्न स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के रोडवेज बस डिपो परिसर जौनपुर में शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को जिला एड्स नियंत्रण सोसायटी के तत्वावधान में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी से प्राप्त निर्देशों के क्रम में आयोजित इस शिविर में डिपो में कार्यरत चालकों, परिचालकों और सहयोगी कर्मचारियों को विभिन्न स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के रोडवेज बस डिपो परिसर जौनपुर में शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को जिला एड्स नियंत्रण सोसायटी के तत्वावधान में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी से प्राप्त निर्देशों के क्रम में आयोजित इस शिविर में डिपो में कार्यरत चालकों, परिचालकों और सहयोगी कर्मचारियों को विभिन्न स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के रोडवेज बस डिपो परिसर जौनपुर में शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को जिला एड्स नियंत्रण सोसायटी के तत्वावधान में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी से प्राप्त निर्देशों के क्रम में आयोजित इस शिविर में डिपो में कार्यरत चालकों, परिचालकों और सहयोगी कर्मचारियों को विभिन्न स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के रोडवेज बस डिपो परिसर जौनपुर में शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को जिला एड्स नियंत्रण सोसायटी के तत्वावधान में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी से प्राप्त निर्देशों के क्रम में आयोजित इस शिविर में डिपो में कार्यरत चालकों, परिचालकों और सहयोगी कर्मचारियों को विभिन्न स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

जौनपुर रोडवेज डिपो में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ, चालकों-परिचालकों की हुई जांच

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के रोडवेज बस डिपो परिसर जौनपुर में शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को जिला एड्स नियंत्रण सोसायटी के तत्वावधान में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी से प्राप्त निर्देशों के क्रम में आयोजित इस शिविर में डिपो में कार्यरत चालकों, परिचालकों और सहयोगी कर्मचारियों को विभिन्न स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

श्रीमती स्नेहलता ने किया। उन्होंने डिपो के समस्त कर्मचारियों को स्वास्थ्य परीक्षण कराने के निर्देश दिए, ताकि समय रहते बीमारियों की पहचान कर उचित उपचार एवं परामर्श प्राप्त किया जा सके।



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के रोडवेज बस डिपो परिसर जौनपुर में शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को जिला एड्स नियंत्रण सोसायटी के तत्वावधान में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी से प्राप्त निर्देशों के क्रम में आयोजित इस शिविर में डिपो में कार्यरत चालकों, परिचालकों और सहयोगी कर्मचारियों को विभिन्न स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के रोडवेज बस डिपो परिसर जौनपुर में शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को जिला एड्स नियंत्रण सोसायटी के तत्वावधान में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी से प्राप्त निर्देशों के क्रम में आयोजित इस शिविर में डिपो में कार्यरत चालकों, परिचालकों और सहयोगी कर्मचारियों को विभिन्न स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के रोडवेज बस डिपो परिसर जौनपुर में शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को जिला एड्स नियंत्रण सोसायटी के तत्वावधान में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी से प्राप्त निर्देशों के क्रम में आयोजित इस शिविर में डिपो में कार्यरत चालकों, परिचालकों और सहयोगी कर्मचारियों को विभिन्न स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के रोडवेज बस डिपो परिसर जौनपुर में शुक्रवार, 9 अक्टूबर 2026 को जिला एड्स नियंत्रण सोसायटी के तत्वावधान में दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य एड्स नियंत्रण सोसायटी से प्राप्त निर्देशों के क्रम में आयोजित इस शिविर में डिपो में कार्यरत चालकों, परिचालकों और सहयोगी कर्मचारियों को विभिन्न स्वास्थ्य जांच एवं परामर्श की सुविधाएं उपलब्ध कराई गईं।

भव्य पंडाल तैयार, बाजार में रौनक, अब जाम और सुरक्षा की अग्निपरीक्षा

सुरेश गांधी

वाराणसी। मां दुर्गा के आगमन की आहट के साथ काशी में उत्सव का रंग गहराने लगा है। कहीं भव्य पंडालों को अंतिम रूप दिया जा रहा है तो कहीं मां की प्रतिमाओं को शिल्पकार अपने हुनर और श्रद्धा के रंगों से संवारने में जुटे हैं। बाजारों में कलश, चुनरी, पूजन सामग्री, झालर, कृत्रिम फूल और सजावट के सामान की खरीदारी तेज हो गई है। घरों से लेकर पूजा समितियों तक तैयारियों की हलचल है। हर ओर उत्साह है, उमंग है और मां के स्वागत की आतुरता। दुर्गा पूजा का उल्लास अब धीरे-धीरे सड़कों और बाजारों से निकलकर शहर के कोने-कोने में दिखाई देने लगा है।

लेकिन इस धार्मिक उल्लास के बीच व्यवस्था से जुड़ा एक बड़ा सवाल भी खड़ा है। भव्य पंडालों और उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच सुरक्षा को जाम से मुक्ति दिलाना प्रशासन के लिए सबसे बड़ी चुनौती होगी। प्रमुख मार्गों और चौराहों के आसपास पंडालों की स्थापना, दर्शनार्थियों की आवाजाही, रामलीला-मेला स्थलों पर जुटने वाली भीड़ और मूर्ति विसर्जन के जुलूस यातायात व्यवस्था की परीक्षा लेंगे। ऐसे में त्योहार की तैयारियों का वास्तविक आकालन केवल पंडालों की भव्यता से नहीं, बल्कि इस बात से भी होगा कि श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए पहुंचने और वापस लौटने में कितनी सहूलियत मिलती है।

इसी चुनौती को ध्यान में रखते हुए जिला प्रशासन और पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। जिलाधिकारी सत्येंद्र कुमार और पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल की संयुक्त अध्यक्षता में शुक्रवार को यातायात पुलिस लाईंस सभागार में जिला शांति समिति की बैठक हुई। इसमें दुर्गा पूजा और रामलीला समितियों के पदाधिकारियों से तैयारियों, समस्याओं और सुझावों पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को बिजली, सड़क, पेयजल, साफ-सफाई, प्रकाश और सुरक्षा व्यवस्था समय से दुरुस्त करने के निर्देश दिए। पुलिस को भीड़ नियंत्रण, यातायात प्रबंधन और संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरतने को कहा गया।

दुर्गा पूजा समितियों के आयोजकों ने बैठक में बिजली के जर्जर खंभों, लटकते तारों, भूति स्थापना स्थलों और विसर्जन मार्गों पर सड़क के गड्ढे तथा प्रकाश व्यवस्था से जुड़ी समस्याएं उठाईं। जिलाधिकारी ने बिजली विभाग और लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों को तत्काल आवश्यक सुधार कराने के निर्देश दिए। पीडब्ल्यूडी, नगर निगम और जिला पंचायत को अभियान चलाकर सड़कों की रम्यता और पैचवर्क का काम शीघ्र पूरा कराने को कहा गया। त्योहार के दौरान बिजली की निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। पंडालों में रोशनी और सजावट के लिए बड़ी संख्या में विद्युत उपकरणों का इस्तेमाल होता है। ऐसे में जर्जर तारों और असुरक्षित खंभों की अन्देखी दुर्घटना का कारण बन सकती है। जिलाधिकारी ने आयोजकों से भी कहा कि पंडालों में वैकल्पिक प्रकाश व्यवस्था के लिए इमरजेंसी लाइट और जनेरेटर की व्यवस्था अवश्य रखें, ताकि बिजली आपूर्ति बाधित होने पर अंधेरे की स्थिति न बने। प्रशासन के सामने चुनौती केवल बिजली की आपूर्ति बनाए रखने की नहीं, बल्कि पंडालों के आसपास विद्युत सुरक्षा सुनिश्चित करने की भी है। ऐसे स्थलों पर जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र होंगे, वहां बिजली के तारों, अस्थायी कनेक्शनों और जनेरेटर की सुरक्षित व्यवस्था पर विशेष ध्यान देना होगा।

माधोपट्टी गांव की मुस्कान सिंह का हरियाणा पीसीएस में चयन, गांव में खुशी की लहर



जफराबाद, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्षेत्र के माधोपट्टी गांव की रहने वाली मुस्कान सिंह ने हरियाणा पीसीएस परीक्षा में सफलता हासिल कर गांव का नाम रोशन किया है। उनके चयन की खबर मिलते ही गांव में खुशी का माहौल व्याप्त हो गया। परिवार के सदस्यों, रिश्तेदारों और शुभचिंतकों ने मुस्कान सिंह को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। मुस्कान सिंह की इस सफलता से गांव के लोगों में उत्साह है। उनकी उपलब्धि को क्षेत्र के युवाओं के लिए प्रेरणादायक माना जा रहा है। उनकी सफलता से परिवार और गांव के लोगों में गर्व की भावना है। मुस्कान सिंह की इस उपलब्धि पर क्षेत्र के लोगों ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दीं।

सिटीजन केयर ग्रुप ने प्रत्येक विधानसभा में बायो-सीएनजी प्लांट लगाने की पहल की

पटना। स्वच्छ ऊर्जा, पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भर भारत के संकल्प को मजबूत करने की दिशा में सिटीजन केयर ग्रुप द्वारा बायो-सीएनजी क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल की जा रही है। ग्रुप का उद्देश्य देश में बढ़ती स्वच्छ ईंधन की आवश्यकता को देखते हुए विभिन्न क्षेत्रों में बायो-सीएनजी प्लांट एवं स्वच्छ ऊर्जा परियोजनाओं को बढ़ावा देना है। सिटीजन केयर ग्रुप के संस्थापक चंदन कुमार ने कहा कि इस अभियान के तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में बायो-सीएनजी प्लांट की स्थापना को प्रोत्साहित करने की योजना पर जोर दिया जा रहा है। इससे कृषि अवशेष, जैविक कचरे और अन्य उपलब्ध संसाधनों के बेहतर उपयोग के साथ-साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की संभावना है। उन्होंने कहा कि बायो-सीएनजी भविष्य के स्वच्छ और टिकाऊ ईंधन विकल्पों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। कंपनी उद्योग विशेषज्ञों के सहयोग से विश्वस्तरीय बायो-सीएनजी परियोजनाओं को विकसित करने और निवेशकों को परियोजना संबंधी तकनीकी एवं व्यावसायिक मार्गदर्शन उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य कर रही है। चंदन कुमार ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि स्वच्छ ऊर्जा अपनाएं, कचरे को संसाधन बनाएं और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में भागीदार बनें।

पागल कुत्ते के काटने से गाय की मौत, दूध पीने और खीर खाने वाले लोगों के मन में अनहोनी का डर

बदायूं (उत्तरशक्ति)। यूपी के बदायूं जिले स्थित जरीफनगर थाना क्षेत्र के ग्राम धर्मपुर टप्पा वेश में एक पागल कुत्ते के काटने के बाद गाय की मौत होने से गांव में दहशत फैल गई है। उस गाय के बीमार रहने के दौरान परिवार के 18 लोगों ने उसका दूध पिया था, इसलिए मामला और गंभीर हो गया है। बुधवार को कनागत की दावत में करीब 80 लोगों ने भी उसी गाय के दूध की खीर खा ली थी। इससे लोगों में हड़कंप मचा है।

गाय की मौत के बाद शुक्रवार को पूरा परिवार ट्रैक्टर-ट्रॉली से दगबाए अस्पताल पहुंचा और 18 लोगों ने रेबीज की वैक्सीन लगवाई। सभी भयभीत नजर आ रहे थे। परिजनों का कहना है कि उसका दूध पूरे परिवार ने पिया था, अब डर है कि परिवार के साथ भी गाय जैसी कोई अनहोनी घटना न हो जाए। ग्रामीणों में इस घटना के बाद से दहशत का माहौल है। उधर, सीओ अशोक कुमार सिंह का कहना है कि तहरीर मिली है, मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। मामले को लेकर विनोद कुमार निवासी ग्राम धर्मपुर टप्पा वेश ने थाना जरीफनगर प्रभारी को तहरीर दी है। तहरीर में बताया है कि 20 सितंबर को उसकी गाय को एक पागल कुत्ते ने काट लिया था।

मैनपुरी में युवक की सदिग्ध हालत में मौत

मैनपुरी (उत्तरशक्ति)। मैनपुरी के मोहल्ला उत्तरी काजी टोला निवासी 37 वर्षीय युवक शुक्रवार दोपहर घर के कमरे में खून से लथपथ पड़ा मिला। सैफई ले जाते समय युवक ने दम तोड़ दिया, सूचना मिलने के बाद पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जानकारी जुटाई, मौके से पुलिस को तमंचा कारतूस बरामद हुए हैं। थाना क्षेत्र के मोहल्ला उत्तरी काजी निवासी 35 व्षीय मोहम्मद आजम उर्फ शहंशाह बहुस्मतिवार को जयपुर से घर लौटा था, शुक्रवार दोपहर आसपास के लोगों ने घर से गोली चलने की आवाज सुनी, जब घर में पहुंचे तो वहां आजम खून से लथपथ हालत में पड़ा था। उसे तुरंत ही जिला अस्पताल ले जाया गया, वहां से चिकित्सक ने पीजीआई सैफई रेफर कर दिया, मगर आजम ने रास्ते में दम तोड़ दिया। उधर, घटनास्थल पर जांच के दौरान पुलिस को तमंचा और कारतूस बरामद हुए हैं, पुलिस फिलहाल घटना को खुदकुशी मान रही है।

सिंटेक्स ने लॉन्च किया भारत में पहली बार 50 साल की वारंटी वाला एटर्नो वॉटर टैंक

पूर्णिया। वाटर स्टोरेज सॉल्यूशंस के क्षेत्र में भारत के सबसे भरोसेमंद ब्रांडों में से एक सिंटेक्स ने आज सिंटेक्स एटर्नो को लॉन्च किया। यह बेहतर मजबूती, स्वच्छता और लंबे समय तक टुकटूट प्रदर्शन के लिए तैयार किया गया अगली पीढ़ी का वॉटर टैंक है। इंडस्ट्री में पहली बार 50 साल की वारंटी जो भारत में अपनी तरह की एकमात्र वारंटी है, सिंटेक्स एटर्नो भारतीय उपभोक्ताओं के लिए विश्ववसनीयता, सुरक्षा और निश्चिंतता का एक नया मानक स्थापित करता है।

100% फूड-ग्रेड वर्जिन प्लास्टिक से बना सिंटेक्स एटर्नो पानी का सुरक्षित और स्वच्छ स्टोरेज सुनिश्चित करता है। यह संदूषण या पानी में हानिकारक रसायनों के घुलने के जोखिम से पूरी तरह मुक्त है। भारत की विभिन्न जलवायविक स्थितियों में भरोसेमंद प्रदर्शन के लिए



बना यह टैंक वातावरण की कठोर स्थितियों और लंबे समय तक धूप में रहने के बावजूद टिकाऊ बना रहता है। इसलिए इसका घरों, व्यावसायिक परिसरों और संस्थानों में हर जगह उपयोग किया जा सकता है। सिंटेक्स एटर्नो की सबसे बड़ी खूबी इसकी एक्टिव सिल्वर टेक्नोलॉजी है, जो सूक्ष्म जीवों से बेहतर सुरक्षा प्रदान करती है। यह

एसआईआर प्रक्रिया के विरोध में इंडिया गठबंधन का जिलाधिकारी कार्यालय पर भव्य मोर्चा

सुबई/अमरावती। विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया में अनियमितताओं, मतदाताओं के नाम हटाए जाने और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली के विरोध में इंडिया गठबंधन की ओर से जिलाधिकारी कार्यालय पर भव्य मोर्चा निकाला गया। गर्ल्स हाईस्कूल चौक से दोपहर साढ़े बारह बजे शुरू हुए इस मोर्चे में महाविकास आघाड़ी के विभिन्न घटक दलों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और नागरिक बड़ी संख्या में शामिल हुए। इस दौरान चुनाव आयोग और सरकार के खिलाफ जोरदार नारेबाजी की गई।

इस आंदोलन का नेतृत्व पूर्व मंत्री एड. यशमती ठाकुर, सांसद बलवंत वानखड़े, अमरावती जिला कांग्रेस कमेटी के ग्रामीण जिलाध्यक्ष अनिरुद्ध उर्फ बबलू देशमुख, पूर्व मंत्री सुनील देशमुख, पूर्व विधायक वीरेंद्र जगताप, शहर कांग्रेस अध्यक्ष



बबलू शेखावत, विलास इंगोले, मिलिंद चिमोटे आदि ने किया।

मोर्चा जिलाधिकारी कार्यालय के प्रवेश द्वार पर पहुंचने के बाद पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को गेट पर ही रोकने का प्रयास किया। हालांकि, प्रदर्शनकारियों द्वारा कार्यालय परिसर में प्रवेश करने की कोशिश किए जाने

2027 विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक हलचल तेज,डॉ. संजय चौहान ने चौहान समाज की एकजुटता पर दिया जोर

दुमरियागंज, सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव को लेकर राजनीतिक गतिविधियां तेज होती दिखाई दे रही हैं। इसी क्रम में 9 अक्टूबर 2026 को सिद्धार्थनगर जनपद के दुमरियागंज स्थित बैदौला चौराहे पर भारतीय पृथ्वीराज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय चौहान से उत्तर शक्ति के पत्रकार नान बाबू चौहान की मुलाकात हुई। इस दौरान आगामी विधानसभा चुनाव, चौहान समाज की एकजुटता और पार्टी के संगठनात्मक विस्तार सहित विभिन्न राजनीतिक एवं सामाजिक मुद्दों पर चर्चा हुई।

मुलाकात के दौरान डॉ. संजय चौहान ने अपने कार्यकर्ताओं एवं पार्टी पदाधिकारियों के साथ पत्रकार नान बाबू चौहान का स्वागत एवं सत्कार किया। इस अवसर पर



उपस्थित लोगों ने समाज की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाने और संगठन को मजबूत बनाने को लेकर अपने विचार साझा किए। प्रत्येक जिले से विधायक बनाने की दिशा में प्रयास भारतीय पृथ्वीराज पार्टी के

तकनीक शैवाल, फंगस, बैक्टीरिया और वायरस की वृद्धि रोकती है, जिससे टैंक का पानी रोजमर्रा के उपयोग के लिए अधिक स्वच्छ और सुरक्षित बना रहता है। इसमें यूवी-प्रोटेक्टेड शेडेड लिड दिया गया है, जो स्वच्छता को और बेहतर बनाता है और धूप से सीधा संपर्क सीमित करता है और बाहरी संदूषण से बचाता है।

कठोर वैश्विक मानकों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया सिंटेक्स एटर्नो आरओएफएस यूरोपीयन मानकों पर भी खरा उतरता है और एनएसएफ प्रमाणित है। इस बात का ध्यान रखा गया है कि टैंक लेड से मुक्त हो और स्टोर कर रखे गए पानी में हानिकारक रसायनों का रिसाव न हो। सिंटेक्स एटर्नो की अपनी असाधारण रूप से लंबी आयु के पीछे कई महत्वपूर्ण इंजीनियरिंग सुधार उत्तरदायी हैं।

विद्यार्थियों ने लिया सेवा स्वच्छता का संकल्प



सेवा पखवाड़ा: प्रधानमंत्री के 25 वर्ष के सेवा संकल्प से प्रेरित होकर छात्रों ने की वृक्षों की सेवा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर

हुए आयोजित किया गया। इस अवसर पर एम.एस-सी. बायोटेक्नोलॉजी, बी.एस-सी. (ऑनर्स) बायोटेक्नोलॉजी एवं एम.एस-सी. फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी के विद्यार्थियों ने परिसर में वृक्षारोपण स्थल पर वृक्षों की सेवा, सफाई, निर्माई-गुड़ाई की तथा खाद व पानी देकर वृक्षों का संरक्षण किया। साथ ही परिसर में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया। कार्यक्रम में डॉ. मनीष कुमार गुप्ता, बायोटेक्नोलॉजी विभाग एवं कार्यक्रम के संयोजक पुस्तकालयाध्यक्ष प्रो. राज कुमार की उपस्थिति में यह अभियान सम्पन्न हुआ। डॉ. मनीष कुमार गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के सेवा के 25 वर्ष हम सभी युवाओं के लिए प्रेरणा हैं। वृक्षों में खाद-पानी देना और उनकी देखभाल करना ही प्रकृति की सच्ची सेवा है।

हाई-वोल्टेज करंट की चपेट में आने से 20 वर्षीय युवक की मौत, सुजानगंज में पसरा मातम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सुजानगंज थाना क्षेत्र के शिवरिहा गांव में गुरुवार की रात हाई-वोल्टेज करंट की चपेट में आने से 20 वर्षीय युवक की मौत हो गई। हादसे के बाद परिवार में कोहराम मच गया, वहीं पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार, शिवरिहा गांव निवासी सुमित कुमार पाल (20), पुत्र शैल कुमार पाल, गुरुवार की रात अपने घर में मोबाइल फोन चार्ज पर लगा रहा था। इसी दौरान अचानक हाई-वोल्टेज विद्युत प्रवाह होने से वह करंट की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि अचानक वोल्टेज बढ़ने से गांव में अफरा-तफरी मच गई। ट्रांसफार्मर से जुड़े कई घरों के बिजली बोर्ड जल गए और अनेक इलेक्ट्रॉनिक व विद्युत उपकरण भी खराब हो गए। घटना की सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया। विद्युत विभाग पर लापरवाही का आरोप हादसे के बाद मृतक के परिजनों और ग्रामीणों में विद्युत विभाग के प्रति नाराजगी है। परिजनों ने आरोप लगाया कि बिजली के हाई-वोल्टेज प्रवाह के कारण यह हादसा हुआ, जिसमें युवक की जान चली गई। ग्रामीणों ने घटना की निष्पक्ष जांच करने, जिम्मेदार कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई करने और पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने की मांग की है। फिलहाल, इस दर्दनाक हादसे से गांव में मातम पसरा हुआ है।

उन्होंने कहा कि पार्टी उत्तर प्रदेश के प्रत्येक जिले से कम से कम एक विधायक बनाने की दिशा में प्रयास कर रही है।

उन्होंने चौहान समाज से एकजुट होकर संगठन को मजबूत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज को आगे बढ़ाने के लिए आपसी एकता, संगठनात्मक मजबूती और राजनीतिक जगहकृता आवश्यक है। पार्टी की ओर से आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर संगठन विस्तार और कार्यकर्ताओं को सक्रिय करने पर जोर दिया जा रहा है।

पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता रहे मौजूद इस अवसर पर भारतीय पृथ्वीराज पार्टी के प्रदेश महासचिव अनिरुद्ध चौहान, प्रदेश उपाध्यक्ष राधेश्याम चौहान, डॉ. अजय

चौहान, राजू चौहान, दीपक चौहान, इंतजार अहमद, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष आर.पी. चौहान, राष्ट्रीय महासचिव विजय चौहान तथा सिद्धार्थनगर जनपद के जिलाध्यक्ष मिथिलेश चौहान सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैठक के दौरान चौहान समाज

की एकजुटता, राजनीतिक प्रतिनिधित्व और पार्टी के संगठनात्मक विस्तार को लेकर चर्चा हुई। उपस्थित लोगों ने महाराजा पृथ्वीराज चौहान के जयकारे भी लगाए। इस दौरान पत्रकार नान बाबू चौहान की जलपान कराया गया और उनका सम्मान किया गया।

ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार राशिद की मौत, परिवार में मचा कोहराम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के फतेहगंज के पास शुक्रवार की सुबह तेज रफ्तार ट्रक की चपेट में आने से बाइक सवार 50 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान मछलीशहर क्षेत्र के पराहित निवासी राशिद के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, राशिद शुक्रवार की सुबह अपनी पल्सर बाइक से किसी काम के सिलसिले में जा रहे थे। इसी दौरान फतेहगंज के पास एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से वह बाइक समेत सड़क पर गिर पड़े और गंभीर रूप से घायल हो गए।

आईएमसी 2026 के उद्घाटन दिवस पर 6जी, सैटेलाइट कनेक्टिविटी और एआई-नेटिव नेटवर्क पर रणनीतिक चर्चा



ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि यूपीआई, आधार और डिजिलॉकर जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म किफायती कनेक्टिविटी और व्यापक डिजिटल समावेशन की क्षमता दर्शाते हैं। उन्होंने यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि स्थान और आय किसी व्यक्ति के अवसरों को सीमित न करें। आईएमसी के सीईओ रामकृष्ण पी. ने कहा कि आईएमसी अब केवल तकनीक प्रदर्शित करने का मंच नहीं, बल्कि भारत की डिजिटल प्रगति का प्रतिबिंब बन चुका है। उन्होंने भारतीय नवाचारों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने और मंच को अधिक परिणामोमुख बनाने पर जोर दिया। दूरसंचार विभाग और सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (सीओएआई) द्वारा आयोजित इस संस्करण में 100 से अधिक देशों से 1.5 लाख से अधिक लोगों की भागीदारी हो रही है। कार्यक्रम में उद्योग विशेषज्ञों ने एआई-आधारित इंटेलिजेंट नेटवर्क, सैटेलाइट कनेक्टिविटी के लिए उपयुक्त नियामकीय ढांचे, तकनीकी एकीकरण और दूरदर्शन के सीमावर्ती जेंट पहाड़ी क्षेत्रों तक कनेक्टिविटी पहुंचाने की जरूरत पर भी प्रकाश डाला। वक्ताओं ने भारत के मजबूत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर को भविष्य की कनेक्टिविटी, एआई और 6जी तकनीकों के विकास का महत्वपूर्ण आधार बताया।



डॉ0 अहममद अकमल
(फिजिशियन)
पता - मानीकलां, जौनपुर



डॉ0 अहममद अकमल
(फिजिशियन)
पता - मानीकलां, जौनपुर



डॉ0 अहममद अकमल
(फिजिशियन)
पता - मानीकलां, जौनपुर



डॉ0 अहममद अकमल
(फिजिशियन)
पता - मानीकलां, जौनपुर



डॉ0 अहममद अकमल
(फिजिशियन)
पता - मानीकलां, जौनपुर



डॉ0 अहममद अकमल
(फिजिशियन)
पता - मानीकलां, जौनपुर



डॉ0 अहममद अकमल
(फिजिशियन)
पता - मानीकलां, जौनपुर



डॉ0 अहममद अकमल
(फिजिशियन)
पता - मानीकलां, जौनपुर

डिजिटल एक्स-रे, कम्प्यूटराइज्ड पैथोलॉजी, E.C.G., हृदय रोग विशेषज्ञ, चेस्ट रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ, स्त्री रोग विशेषज्ञ, दन्त चिकित्सक फिजियोथेरापी, डिलेरीज (नार्मल, सिजेरियन) दूरबीन विधि से पित्ताशय में पथरी, अपेंडिक्स, बच्चादानी, हाइड्रोसेल का ऑपरेशन भर्ती की सुविधा।

पता - मानीकलां, जौनपुर **9451610571, 7380850571**



ए.एम. बनाव



ए.एम. बनाव



ए.एम. बनाव



ए.एम. बनाव



ए.एम. बनाव



ए.एम. बनाव



ए.एम. बनाव



ए.एम. बनाव



ए.एम. बनाव

मुंबई में प्रजापति बिजनेस मीट, व्यापारिक नेटवर्किंग को मिला नया मंच

देशभर से जुटे प्रजापति समाज के उद्यमी एवं कारोबारी, व्यापारिक नेटवर्किंग, आपसी सहयोग और नए अवसरों पर हुई सार्थक चर्चा

मुंबई। प्रजापति समाज के व्यापारियों, उद्यमियों और प्रोफेशनल्स को एक साझा मंच पर लाकर व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में अजय प्रजापति और ओमप्रकाश प्रजापति पहल से चौथे प्रजापति बिजनेस मीट 2026 का आयोजन किया गया। उत्तरशक्ति हिंदी दैनिक द्वारा आयोजित यह कार्यक्रम 4 अक्टूबर 2026 को मुंबई के कल्याण स्थित होटल कशिश इंटरनेशनल में संपन्न हुआ।

आयोजकों का उद्देश्य समाज के अलग-अलग शहरों और राज्यों में कार्यरत कारोबारियों को एक-दूसरे से जोड़ना, व्यापारिक नेटवर्किंग को बढ़ावा देना, नए व्यावसायिक अवसरों की तलाश करना तथा समाज के युवाओं और उभरते उद्यमियों को अनुभवी कारोबारियों से जोड़ना रहा। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के अलावा गुजरात, राजस्थान, मध्य

प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरिद्वार, कोटा सहित देश के विभिन्न हिस्सों से प्रजापति समाज के व्यापारी, उद्यमी, इंजीनियर, प्रोफेशनल्स और व्यवसाय जगत से जुड़े प्रतिनिधि शामिल हुए।

सोशल मीडिया पर साझा की गई कार्यक्रम की तस्वीरों और पोस्टों में देश के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभागियों की सक्रिय भागीदारी, आपसी परिचय, संवाद और नेटवर्किंग को झलक देखने को मिली। प्रतिभागियों ने एक-दूसरे के व्यवसाय, सेवाओं और अनुभवों के बारे में जानकारी ली तथा संभावित कारोबारी सहयोग पर चर्चा की। आयोजन से जुड़े सोशल मीडिया सदृशों में व्यापारिक एकजुटता, समाज के भीतर सहयोग और सामूहिक प्रगति को प्रमुखता दी गई।

कार्यक्रम में विशेष रूप से सूरत से टेक्सटाइल उद्योग से जुड़े अरुण प्रजापति, हरिद्वार एवं दिल्ली से इंजीनियर राकेश प्रजापति तथा इंजीनियर संचित प्रजापति, कोटा से बाबू प्रजापति एवं कृष्णा प्रजापति, राजस्थान से इंजीनियर बुजमोहन प्रजापति एवं धारासिंह प्रजापति, प्रदेश से संजीव प्रजापति तथा दिल्ली से सुनील प्रजापति सहित अनेक राज्यों से आए व्यापारियों और उद्यमियों ने उपस्थिति दर्ज कराई।

इंडियन रेसिंग फेस्टिवल ने नवी मुंबई में ऐतिहासिक नाइट-रेस फिनाले की घोषणा की



नवी मुंबई। इंडियन रेसिंग फेस्टिवल ने अपने पूरे 2026 कैलेंडर की घोषणा कर दी है। इसके तहत पाम बीच रोड के पास नवी मुंबई स्टीट सर्किट पर बहुप्रतीक्षित नाइट रेस को सीजन के फिनाले (अंतिम दौर) के रूप में पक्का किया गया है। यह रेसिंग 5-6 दिसंबर को फ्लडलाइट्स (लाइट्स) के नीचे आयोजित की जाएगी। यह फिनाले ग्रेटर नोएडा के बुद्ध इंटरनेशनल सर्किट में दो रेस वीकेंड के बाद आयोजित होगा, जिससे यह 2026 सीजन का एक अलग अंदाज में अंत होगा क्योंकि यह फेस्टिवल एक स्थायी अंतरराष्ट्रीय स्तर के सर्किट से नवी मुंबई की सड़कों पर स्थानांतरित हो जाएगा। स्टीट रेसिंग एक स्थायी सर्किट की तुलना में बहुत अलग अनुभव देती है। यह मोटरस्पोर्ट्स को शहर के बीचोबीच ले आती है और

मरीना बे स्ट्रीट सिटी ने 2008 से अब तक 7,20,000 से अधिक अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित किया है और पर्यटन से 2.2 बिलियन सिंगपुर डॉलर से अधिक का वित्तिय राजस्व अर्जित किया है। लास वेगास में 2023 की पहली स्टीट रेस ने 3,15,000 से अधिक दर्शकों को आकर्षित किया और अनुमानित 1.2 बिलियन अमरीकी डॉलर का आर्थिक प्रभाव उत्पन्न किया, जबकि मोनाको का ग्रैंड प्रिक्स शहर के होटलों और आतिथ्य (हॉस्पिटैलिटी) क्षेत्र में लगातार मजबूत मांग बनाए रखता है। बाकू में, शहर के प्रमुख स्थलों के साथ स्टीट सर्किट के जुड़ाव ने इस गंतव्य को अंतरराष्ट्रीय मोटरस्पोर्ट और पर्यटन मार्गद्वय पर स्थापित करने में मदद की है। ये उदाहरण मिलकर रेखांकित करते हैं कि कैसे स्टीट रेसिंग खेल के रोमांच के साथ-साथ पर्यटन, हॉस्पिटैलिटी और पूरे शहर की भागीदारी को बढ़ावा दे सकती

विभिन्न क्षेत्रों के कारोबारियों ने साझा किए अनुभव बिजनेस मीट में मैनुफैक्चरिंग, टेक्सटाइल, गार्मेंट, रिटेल, कंस्ट्रक्शन, बैंकिंग एवं हाउसिंग फाइनेंस, नेटवर्क मार्केटिंग और सर्विस सेक्टर सहित विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े प्रतिनिधियों ने सहभागिता की। प्रतिभागियों ने अपने व्यापार का परिचय देते हुए उत्पादों, सेवाओं, बाजार की संभावनाओं और कारोबारी अनुभवों को साझा किया।

बैठक के दौरान संभावित व्यावसायिक सहयोग, नए ग्राहक और बिजनेस पार्टनर बनाने, कारोबारी नेटवर्क का विस्तार करने तथा समाज के भीतर उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करने पर विचार-विमर्श हुआ। कई प्रतिभागियों ने माना कि ऐसे आयोजनों से अलग-अलग क्षेत्रों में काम कर रहे कारोबारियों को सीधे संवाद का अवसर मिलता है और व्यापारिक संबंधों की शुरुआत अधिक सहज तरीके से हो सकती है।

व्यापार से व्यापार और व्यक्ति से व्यक्ति जुड़ाव पर जोर कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य केवल परिचय तक सीमित नहीं रहा, बल्कि व्यापारियों को व्यापारियों से जोड़ना और आपसी सहयोग के माध्यम से नए अवसर पैदा करना रहा।



आयोजकों ने इस बात पर जोर दिया कि समाज में बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली उद्यमी, कारोबारी और प्रोफेशनल्स कार्यरत हैं, लेकिन उनके बीच पर्याप्त संपर्क और नेटवर्किंग नहीं होने के कारण कई अवसरों का लाभ नहीं मिल पाता।

बिजनेस मीट जैसे आयोजन इस दूरी को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इनके माध्यम से एक ओर व्यापारियों को नए ग्राहक और कारोबारी साझेदार मिल सकते हैं, वहीं दूसरी ओर समाज के भीतर हूपक-दूसरे के व्यापार को बढ़ावा देने की सकारात्मक संस्कृति विकसित हो सकती है। सोशल मीडिया पर कार्यक्रम से जुड़े सदृशों में भी आपसी विश्वास, सहयोग और सामूहिक विकास को आयोजन की प्रमुख उपलब्धियों के रूप में रेखांकित किया गया।

युवाओं और नए उद्यमियों के



लिए प्रेरणादायक मंच कार्यक्रम में समाज के युवाओं को व्यवसाय और उद्यमिता की दिशा में आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर भी चर्चा हुई। अनुभवी उद्यमियों द्वारा अपने संघर्ष, अनुभव और सफलता की कहानियां साझा किए जाने से युवा प्रतिभागियों को प्रेरणा मिली। वक्ताओं ने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी दौर में केवल व्यक्तिगत मेहनत ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि नेटवर्क, सहयोग, विश्वास और सही कारोबारी संपर्क भी सफलता के लिए आवश्यक हैं।

उन्होंने कहा कि यदि समाज के व्यापारी एक-दूसरे के उत्पादों और सेवाओं को प्राथमिकता दें तथा व्यापारिक अवसरों में सहयोग करें, तो इससे व्यक्तिगत व्यवसायों के साथ-साथ पूरे समाज की आर्थिक स्थिति को मजबूत किया जा सकता है। युवाओं को मार्गदर्शन, प्रशिक्षण,

भाससपा के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष बाबा प्रजापति का जन्मदिन मनाया गया



मुंबई। भारतीय समता समाज पार्टी के महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष श्री बाबा प्रजापति जी का जन्मदिन भागेश पांडे के कार्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने बाबा प्रजापति को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए उनके स्वस्थ, सुखी एवं सफल जीवन की कामना की। जन्मदिन समारोह में राज प्रजापति, विजय शंकर प्रजापति, अमन विश्वकर्मा, निलेश प्रजापति, मंगला प्रसाद प्रजापति, लोकनाथ प्रजापति, डॉ. संजीव प्रजापति एवं फैजान खान (एडिटर) राजू प्रजापति अरुण प्रजापति सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। सभी ने मिलकर बाबा प्रजापति को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ।

फेस्टिव सीजन की नौकरियों से लॉन्ग-टर्म रोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद: इनडीड की रिपोर्ट

मुंबई। भारत में फेस्टिव सीजन अपने पीक पर पहुंच रहा है। इनडीड के नए आंकड़ों के मुताबिक, अब फेस्टिव सीजन में होने वाली हायरिंग सिर्फ कुछ समय के लिए बढ़ी मांग को पूरा करने के लिए नहीं है। कंपनियां इस बार पहले से ही हायरिंग शुरू कर रही हैं और जरूरत के हिसाब से ज्यादा फ्लेक्सिबल टीम तैयार कर रही हैं। कंपनियां फेस्टिव सीजन में रखे गए कर्मचारियों को आगे भी नौकरी पर बनाए रखने का विचार कर रही हैं। इनडीड के 'फेस्टिव सीजन आउटलुक 2026' के मुताबिक, 74% एम्प्लॉयर्स को उम्मीद है कि वे 2026 में फेस्टिव सीजन के दौरान रखे गए कम से कम 10% कर्मचारियों को पीक सीजन खत्म होने के बाद भी नौकरी पर बनाए रखेंगे। यह सब नौकरी बढ़ाने, दोबारा कॉन्ट्रैक्ट करने या लंबे समय की नौकरी में बदलने के जरिए हो सकता है। इस तरह की हायरिंग की सबसे ज्यादा जरूरत डिलीवरी, वेयरहाउस, प्रोडक्शन, ट्रांसपोर्ट और सामान पहुंचाने जैसे कामों में है। आधे से अधिक, यानी 53% एम्प्लॉयर्स को उम्मीद है कि 2025 के मुकाबले इस साल फेस्टिव हायरिंग बढ़ेगी। खास बात यह है कि कंपनियां इस बार हायरिंग की तैयारी पहले ही शुरू कर रही हैं। दस में से लगभग सात (69%) ने हायरिंग शुरू कर दी है या इसके सितंबर में शुरू होने की उम्मीद है। पिछले साल यह आंकड़ा सिर्फ 34% था। वहीं, 66% कंपनियों ने अगस्त तक वर्कफोर्स प्लानिंग शुरू कर दी थी या करने वाली थीं, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा 40% था, यानी 26 प्रतिशत अंकों की बढ़ोतरी हुई। इनडीड इंडिया के मैनेजिंग डायरेक्टर शशि कुमार ने बताया कि, ह्रड्स बा एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। फेस्टिव सीजन में कंपनियां अब सिर्फ कुछ समय के लिए लोगों को नौकरी पर नहीं रख रही हैं,

नेटवर्किंग व्यवसायों की मौजूदगी ने आयोजन को बहुआयामी बनाया। सोशल मीडिया पर साझा किए गए कार्यक्रम के दृश्यों में प्रतिभागियों के बीच परिचय, समूह चर्चा और सामूहिक संवाद को प्रमुखता से देखा गया।

आयोजकों की पहल को मिली सराहना

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक अजय प्रजापति एवं ओमप्रकाश प्रजापति रहे। दोनों आयोजकों ने आयोजन की रूपरेखा तैयार करने, विभिन्न राज्यों के कारोबारियों से संपर्क स्थापित करने और उन्हें एक मंच पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी पहल का उद्देश्य समाज के व्यापारियों और उद्यमियों के बीच स्थायी कारोबारी संबंध विकसित करना रहा।

आयोजकों ने देश के विभिन्न हिस्सों से मुंबई पहुंचकर कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले सभी व्यापारियों, उद्यमियों, प्रोफेशनल्स और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रजापति बिजनेस मीट किसी एक व्यक्ति या संस्था के प्रचार का मंच नहीं, बल्कि समाज के कारोबारियों को जोड़ने और व्यापारिक सहयोग का मजबूत नेटवर्क तैयार करने का प्रयास है।

सूरत के टेक्सटाइल कारोबार से जुड़े प्रतिनिधियों, इंजीनियरिंग क्षेत्र के प्रोफेशनल्स, रिटेल और मैनुफैक्चरिंग क्षेत्र के उद्यमियों, बैंकिंग एवं फाइनेंस क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधियों तथा सर्विस और

नेटवर्किंग व्यवसायों की मौजूदगी ने आयोजन को बहुआयामी बनाया। सोशल मीडिया पर साझा किए गए कार्यक्रम के दृश्यों में प्रतिभागियों के बीच परिचय, समूह चर्चा और सामूहिक संवाद को प्रमुखता से देखा गया।

आयोजकों की पहल को मिली सराहना

कार्यक्रम के मुख्य संयोजक अजय प्रजापति एवं ओमप्रकाश प्रजापति रहे। दोनों आयोजकों ने आयोजन की रूपरेखा तैयार करने, विभिन्न राज्यों के कारोबारियों से संपर्क स्थापित करने और उन्हें एक मंच पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनकी पहल का उद्देश्य समाज के व्यापारियों और उद्यमियों के बीच स्थायी कारोबारी संबंध विकसित करना रहा।

आयोजकों ने देश के विभिन्न हिस्सों से मुंबई पहुंचकर कार्यक्रम में सहभागिता करने वाले सभी व्यापारियों, उद्यमियों, प्रोफेशनल्स और अतिथियों का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि प्रजापति बिजनेस मीट किसी एक व्यक्ति या संस्था के प्रचार का मंच नहीं, बल्कि समाज के कारोबारियों को जोड़ने और व्यापारिक सहयोग का मजबूत नेटवर्क तैयार करने का प्रयास है।

उन्होंने कहा कि आने वाले समय

त्योहारी सीजन में अस्थायी नियुक्तियों में 15-20 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान

मुंबई। टीमलीज सर्विसेज की 'फेस्टिव सीजन वर्कफोर्स रिपोर्ट 2026' के अनुसार, इस त्योहारी सीजन में संगठित रिटेल, ई-कॉमर्स, क्विक-कॉमर्स, लॉजिस्टिक्स, एफएमसीसी और कंज्युमर ड्यूरेबल्स क्षेत्रों में अस्थायी नियुक्तियों में 15 से 20 प्रतिशत की वृद्धि होने की उम्मीद है। कंपनियां अब लंबे त्योहारी कैलेंडर, तेजी से डिलीवरी की तरह ही उम्मीदें और ऑनमीचैनल उपभोक्ता व्यवहार को ध्यान में रखते हुए केवल संख्यात्मक भर्ती के बजाय विशेष फ्रंटलाइन भूमिकाओं पर अधिक ध्यान केंद्रित कर रही हैं। भारत का त्योहारी उपभोग इंजन लगातार गति पकड़ रहा है।

पिछले त्योहारी सीजन में ई-कॉमर्स का जीएमवी 1.2 लाख करोड़ रुपये की पार कर गया था, जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स, व्यूटी, फैशन और गिफ्टिंग में त्वरित डिलीवरी की बढ़ती मांग के कारण त्योहारी खर्च में क्विक-कॉमर्स की हिस्सेदारी एक साल पहले के 8% से बढ़कर 12% हो गई। स्वतंत्रता दिवस से शुरू होकर दिवाली और साल के अंत तक चलने वाले बिक्री साल के विस्तार को देखते हुए, नियोजता अल्पकालिक मांग के बजाय दीर्घकालिक और सुचारु संचालन के लिए कार्यबल तैयार कर रहे हैं। टीमलीज सर्विसेज के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बालासुब्रमण्यम ए ने कहा, त्योहारी

सीजन की भर्तियां अब केवल बड़ी संख्या में नियुक्तियों तक सीमित न रहकर 'प्रिसिजन हायरिंग' की ओर बढ़ रही हैं। नियोजता गति, उत्पादकता और ग्राहक अनुभव को समान महत्व दे रहे हैं, जिससे विशेष परिचालन भूमिकाओं की मांग बढ़ी है। ई-कॉमर्स, रिटेल, लॉजिस्टिक्स और क्विक-कॉमर्स की मजबूत मांग के दम पर हमें अस्थायी नियुक्तियों में पिछले साल की तरह ही (15-20%) वृद्धि उम्मीद है। त्योहारी अवधि के दौरान सुचारू निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए कंपनियां इंसेंटिव्स, डिजिटल ऑनबोर्डिंग और वर्कफोर्स की तैयारी में भी अधिक निवेश कर रही हैं।

प्यूजून सीएक्स का 702 करोड़ रुपये का आईपीओ 14 अक्टूबर को खुलेगा, 275-289 रुपये प्रति शेयर होगा प्राइस बैंड



मुंबई। ग्राहक अनुभव सेवाओं और एआई डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर सेवाओं के क्षेत्र में काम करने वाली प्यूजून सीएक्स लिमिटेड ने अपने 702 करोड़ रुपये के आईपीओ के लिए 275 से 289 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। आईपीओ बुधवार, 14 अक्टूबर 2026 को खुलेगा और शुक्रवार, 16 अक्टूबर 2026 को बंद होगा। वहाँ, एंकर निवेशकों के लिए बेची प्रक्रिया मंगलवार, 13 अक्टूबर 2026 को खुलेगी। कोलकाता मुख्यालय वाली कंपनी का आईपीओ दो हिस्सों में होगा। इसमें 500 करोड़ रुपये तक के नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे, जबकि 202 करोड़ रुपये तक के शेयरों की बिक्री प्रवर्तक शेयरधारकों पीएएस बिजनेस प्राइवेट लिमिटेड और राशिष कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड की ओर से ऑफर फॉर सेल (ओएफएस) के तहत की जाएगी। कंपनी नए शेयरों से प्राप्त शुद्ध राशि में से 275 करोड़ रुपये का इस्तेमाल

अपने और कुछ सहायक कंपनियों के बकाया कर्ज के भुगतान या समय से पहले चुकाने में करेगी। वहीं, 61 करोड़ रुपये अपनी अधीनस्थ सहायक कंपनियों ओमाइट टेक्नोलॉजीज इंक. और

ओमाइट टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड में निवेश के लिए रखे जाएंगे। इस राशि का इस्तेमाल आईटी टूल्स आर्या और माइंडबॉक्स को उन्नत बनाने में किया जाएगा। शेयर राशि का उपयोग संभावित अधिग्रहणों के जरिये कारोबार के विस्तार और सामान्य कॉर्पोरेट जरूरतों के लिए किया जाएगा। वर्ष 2004 में पंकज धनुका और किशोर सराओगी ने प्यूजून सीएक्स की स्थापना की थी। कंपनी अपने क्षेत्र के गहरे अनुभव और स्वाभिम्य वाले एआई टूल्स के जरिये ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देती है। इसकी सेवाओं में जेनरेटिव एआई आधारित तस्वीरों का इस्तेमाल किया जाता है, जिससे ग्राहक जुड़ाव, परिचालन दक्षता और डिजिटल बदलाव को बढ़ावा मिलता है। कंपनी कई भाषाओं और विभिन्न डिजिटल माध्यमों पर ग्राहकों से संपर्क की सुविधा भी देती है। कंपनी दूरसंचार

एवं वृटिलिटी, स्वास्थ्य सेवा एवं जीवन विज्ञान, हार्ड-टेक और यात्रा (एचटीटी), बैंकिंग, वित्तीय सेवाएं एवं बीमा (बीइएफएसआई) तथा खुदरा कारोबार जैसे प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करती है। यह अरबी, फ्रेंच, स्पेनिश, पुर्तगाली, जर्मन, अरबी, मंदारिन, इतालवी और हिंदी सहित 28 भाषाओं में सहायता सेवाएं प्रदान करती है। वित्त वर्ष 2025-26 में प्यूजून सीएक्स ने परिचालन से 1,818 करोड़ रुपये का रेवेन्यू और 169 करोड़ रुपये का कर-पश्चात लाभ (पीएटी) दर्ज किया। 30 जून 2026 तक कंपनी में 13,735 कर्मचारी कार्यरत थे। कंपनी 13 देशों में कारोबार करती है और इसके 40 रणनीतिक रूप से स्थित डिलीवरी सेंटर हैं, जो अलग-अलग समय क्षेत्रों में चौबीसी घंटे सेवाएं प्रोफ़रब करती हैं। कंपनी के 208 ग्राहकों के पोर्टफोलियो में फॉर्च्यून 1000 की 22 कंपनियां शामिल हैं। इसके प्रमुख ग्राहकों में डीएमईसी कैपिटल सर्विसेज, पार्क वेस्ट, टेलाइट अचीव कलेक्शन, अमेरिफ्लेक्स कोस्टलाइन, अजिथो, मीशो, कॉल कोर मीडिया, अरविंद फैशन, प्रोपन्यू एएफए, लियोनार्डो होटल्स, इश्योरेंस एक्सप्रेस, के2 क्लेस सर्विसेज, सेंट्री क्रेडिट और ट्राया शामिल हैं।

छोटे शहर से ग्लोबल मंच तक: राधेश्याम प्रजापति ने टेक्नोलॉजी और उद्यमिता से बनाई अलग पहचान

मुंबई। (उत्तरशक्ति)। छोटे शहर से निकलकर टेक्नोलॉजी, डिजिटल मार्केटिंग और उद्यमिता के क्षेत्र में अपनी पहचान बनाने वाले राधेश्याम प्रजापति आज डिजिटल बिजनेस ग्रोथ और टेक्नोलॉजी सॉल्यूशंस के क्षेत्र में सक्रिय हैं। हिंदी माध्यम से स्कूली शिक्षा पूरी करने के बाद उन्होंने जूनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में करियर शुरू किया। वेब डेवलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग और टेक्नोलॉजी में अनुभव हासिल करने के बाद उन्होंने उद्यमिता की राह चुनी।

सीखने और नए अवसरों को अपनाने की इसी सोच के साथ उन्होंने Century Digital की स्थापना की। यह कंपनी वेबसाइट डेवलपमेंट, मोबाइल ऐप डेवलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग, ब्रांडिंग व ग्राफिक्स, UI/UX डिजाइन, और प्रोफेशनल और आईटी सपोर्ट जैसी सेवाओं से व्यवसायों को ऑनलाइन ग्रोथ में मदद करती है।

ग्लोबल अनुभव
राधेश्याम प्रजापति ने जर्मनी और

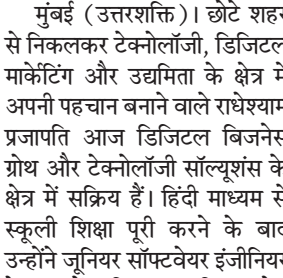


जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में जौनपुर प्रीमियर लीग (जेपीएल) के दूसरे मुकाबले में शुक्रवार को मड़ियाहू विधानसभा की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए मछलीशहर विधानसभा को 15 रन से पराजित कर दिया। मुकाबले में मड़ियाहू ने पहले बल्लेबाजी करते

हुए निर्धारित 5 ओवर में 39 रन बनाए। जवाब में मछलीशहर विधानसभा की टीम लक्ष्य हासिल करने में नाकाम रही और दूसरी पारी में 24 रन पर सिमट गई।

मुकाबले में मछलीशहर विधानसभा की टीम ने टॉप जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। पहले बल्लेबाजी करने उतरी मड़ियाहू विधानसभा की ओर से यश विश्वकर्मा और सूरज यादव ने 18-18 रन की शानदार पारियां खेलीं। वहीं, विदुल ने 2 रन और अनिल ने 1 रन का योगदान दिया। अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में सफल नहीं हो सके। इसके बावजूद मड़ियाहू की टीम ने 39 रन का स्कोर

खड़ा किया।
लक्ष्य का पीछा करने उतरी मछलीशहर की टीम 24 रन पर सिमटी
40 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मछलीशहर विधानसभा की टीम मड़ियाहू के गेंदबाजों के सामने संघर्ष करती नजर आई। दूसरी पारी में टीम 5.2 ओवर में 24 रन ही बना सकी और मुकाबला 15 रन से हार गई। मड़ियाहू विधानसभा के गेंदबाजों ने अनुशासित प्रदर्शन करते हुए विपक्षी बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। टीम के सामूहिक प्रयास से मड़ियाहू ने जेपीएल के इस मुकाबले में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ मड़ियाहू विधानसभा की टीम ने टूर्नामेंट में अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराई। मुकाबले के दौरान खिलाड़ियों और क्रिकेट प्रेमियों में खासा उत्साह देखने को मिला।



सूरई की अंतरराष्ट्रीय यात्राएं कीं और भारतीय तथा अंतरराष्ट्रीय क्लाइंट्स के साथ काम किया। इससे उन्हें अलग-अलग बाजारों, संस्कृतियों और व्यावसायिक जरूरतों को समझने का अवसर मिला। उनका मानना है कि अच्छी टेक्नोलॉजी और सही रणनीति की जरूरत हर देश के व्यवसाय को होती है।



प्रजापति बिजनेस मीट-2026 में सहभागिता
हाल ही में मुंबई में आयोजित प्रजापति बिजनेस मीट-2026 में राधेश्याम प्रजापति ने Century Digital और Bhushan Art पर प्रस्तुति दी। उन्होंने उद्यमियों और व्यवसायियों के बीच बताया कि डिजिटल टेक्नोलॉजी, एआई और ऑटोमेशन छोटे और मध्यम व्यवसायों की ग्रोथ में कैसे मददगार हो सकते हैं। उनके अनुसार ऐसे मंच नए विचारों के आदान-प्रदान और व्यावसायिक सहयोग के नए रास्ते खोलते हैं।



पिता की कला से शुरू हुई पहल राधेश्याम के पिता भूपूष प्रजापति चित्रकार हैं। उन्होंने देखा कि कई प्रतिभाशाली कलाकारों के पास बेहतरीन कला होने के बावजूद उसे सही दर्शकों और बाजार तक पहुंचाने का मंच नहीं होता। इसी सोच से Bhushan Art की शुरुआत हुई। यह प्लेटफॉर्म

कलाकारों को आर्टिस्ट मार्केटिंग, प्रोफाइल, डिजिटल मार्केटिंग, खरीदारों तक पहुंच और पैकेजिंग-लॉजिस्टिक्स सहयोग जैसे अवसर उपलब्ध कराता है।

राधेश्याम कहते हैं,

मैंने Bhushan Art इसलिए बनाया क्योंकि मैंने अपने पिता की प्रतिभा को अनदेखा रहते देखा। आज मैं ऐसा प्लेटफॉर्म बना रहा हूँ, जहाँ कलाकार सही दर्शकों तक पहुंच सकें और अपनी रचनात्मकता पर ध्यान दे सकें।

अगला लक्ष्य

अगले चरण में उनका फोकस टेक्नोलॉजी, एआई, ऑटोमेशन और डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन को छोटे और मध्यम व्यवसायों तक पहुंचाने पर है। उनका मानना है कि छोटे व्यवसाय भी इनके उपयोग से मार्केटिंग, ग्राहक संवाद, लीड मैनेजमेंट और ऑपरेशंस को बेहतर बना सकते हैं। टेक्नोलॉजी का असली फायदा तब है, जब वह किसी व्यक्ति या बिजनेस के लिए नई अपॉर्चुनिटी पैदा करे। युवाओं के लिए संदेश

उनकी कहानी बताती है कि बड़े सपनों के लिए बड़ा शहर या अग्रणी माध्यम जरूरी नहीं। सीखने की लगन, मेहनत और सही दिशा से कोई भी पहचान बना सकता है। वे युवाओं को सलाह देते हैं:

* सीखना कभी बंद न करें
* टेक्नोलॉजी को अपना साथी बनाएं
* अपनी जड़ों से जुड़े रहें
मेरी सफलता सिर्फ मेरी ग्रोथ नहीं है। अगर मैं नॉलेज, टेक्नोलॉजी और अनुभव से किसी दूसरे बिजनेस या व्यक्ति को आगे बढ़ने में मदद मिलती है, तो वही मेरे लिए वास्तविक सफलता है।
राधेश्याम प्रजापति के बारे में
राधेश्याम प्रजापति एक उद्यमी, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन प्रोफेशनल और Century Digital तथा Bhushan Art के संस्थापक हैं। उनकी यात्रा में सॉफ्टवेयर, वेब डेवलपमेंट, डिजिटल मार्केटिंग, टेक्नोलॉजी और उद्यमिता शामिल हैं।
अधिक जानकारी:
www.centurydigital.in
www.bhushanart.com